विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 107 | गौतमबुद्धनगर, रविवार 17 मार्च 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

पुलिस आयुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन

P- 4

बहराइच पुलिस ने 3 बाइक चोरों को किया गिरफ्तार

P- 5

राजनीति से ऊबे कनाडाई पीएम बोले ये पागलपन से भरी नौकरी है

P- 6

बीसीसीआई रणजी खिलाड़ियों के लिए मैच फीस दोगुनी या तिगुनी

हैप्पी मॉर्निंग

डॉक्टर- चिंटू आपके एक्स-रे में आपकी हड्डी टूटी दिख रही हैचिंटू- चलो भगवान का शुक्र है कि एक्स-रे में ही हड्डी टूटी है.अगर सच में टूट गई होती तो मेरा काफी खर्चा हो जाता.

शायरी

आवाम यहाँ न्याय का प्यासा हो रहा
मेरे मुल्क में मौत पर भी तमाशा हो रहा

अर्थसार

सेंसेक्स:
72,643.43
-453.85 (0.62%)
निफ्टी:
22,023.35
-123.30

मौसम

अधिकतम : 29 डिग्री से0
न्यूनतम : 15 डिग्री से0
सूयोदय सोमवार : 6 : 50
सूर्यास्त रविवार : 6 : 30

लोकसभा चुनाव 7 फेज में

पहली वोटिंग 19 अप्रैल, आखिरी 1 जून को; मणिपुर की एक सीट पर 2 फेज में वोटिंग: नतीजे 4 जून को

- लोकसभा की सभी 543 सीटों के साथ-साथ सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश की विधानसभा चुनावों एवं विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं की 26 रिक्त सीटों पर उपचुनाव भी कराया जायेगा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकतंत्र का मंदिर कही जाने वाली संसद के निचले सदन लोकसभा के लिए चुनाव आगामी 19 अप्रैल से एक जून तक सात चरणों में होंगे और मतों की गिनती चार जून को होगी।

आम चुनाव के एलान के साथ ही देश भर में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है। मौजूदा लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है

लोकसभा की सभी 543 सीटों के साथ-साथ सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश की विधानसभा चुनावों एवं विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं की 26 रिक्त सीटों पर उपचुनाव भी कराया जायेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दोनों आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू की मौजूदगी में आज यहां विज्ञान भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में 18 वीं लोकसभा के लिए बहुप्रतीक्षित चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया 20 मार्च को पहले चरण के चुनाव की अधिसूचना के साथ शुरू होगी। पहले चरण में 19 अप्रैल, दूसरे में 26 अप्रैल, तीसरे में सात मई, चौथे में 13 मई, पांचवें में 20 मई, छठे में 25 मई और सातवें चरण में एक जून को वोट डाले जायेंगे। विधानसभाओं के चुनाव और उपचुनाव के लिए मतदान भी लोकसभा के मतदान के साथ-साथ कराया जाएगा।

पहले चरण में 21 राज्यों की 102 सीटों पर, दूसरे चरण में 13 राज्यों की 89 सीटों पर, तीसरे चरण में 12 राज्यों की 94 सीटों पर, चौथे चरण में 10 राज्यों की 96 सीटों पर, पांचवे चरण में आठ राज्यों की 49 सीटों पर, छठवें चरण में सात राज्यों की 57 सीटों और सातवें चरण में आठ राज्यों की 57 सीटों पर मतदान होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि सभी की मतगणना चार जून को होगी। लोकसभा की 543 सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति और 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं।

543 की जगह 544 सीटें क्यों हैं?

मणिपुर में 2 लोकसभा सीटें- इनर मणिपुर और आउटर मणिपुर हैं। इनर मणिपुर में 19 अप्रैल को और आउटर मणिपुर में 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को चुनाव होंगे। आउटर मणिपुर में कुल 28 विधानसभा सीटें आती हैं। इनमें से 15 सीटों पर 19 अप्रैल को लोकसभा के लिए मतदान होगा। इसमें हेइरोक, वांगजिंग तेन्था, खंगाबोक, वबागाई, ककचिंग, हियांगलाम, सुगनू, चंदेल (एसटी), सैकुल (एसटी), कंगपोकपी, सैतु (एसटी), हेंगलेप (एसटी), चुराचांदपुर (एसटी), सैकोट (एसटी), और सिंघाट (एसटी) शामिल हैं। इसके अलावा, आउटर मणिपुर की बाकी 13 विधानसभा सीटों में 26 अप्रैल को मतदान होगा। ये हैं जिरीबाम, तेंगनौपाल (एसटी), फुंगयार (एसटी), उखरुल (एसटी), चिंगाई (एसटी), करोंग (एसटी), माओ (एसटी), तडुबी (एसटी), तामेई (एसटी), तामेंगलोंग (एसटी), नुंगबा (एसटी), टिपाईमुख (एसटी), और थानलॉन (एसटी)। इससे पहले 2019 लोकसभा चुनाव में भी ऐसा ही हुआ था। इसलिए इलेक्शन शेड्यूल के सभी 7 फेज में सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 544 सीटें हो गई।

4 राज्यों में विधानसभा चुनावों का ऐलान

आंध्र में 13 मई, अरुणाचल और सिक्किम में 19 अप्रैल को वोटिंग, ओडिशा में 4 फेज में मतदान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 16 मार्च को लोकसभा चुनाव के साथ चार राज्यों आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया।

अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भी एक फेज में 19 अप्रैल को मतदान होगा। आंध्र प्रदेश में 13 मई को एक फेज में वोटिंग होगी। ओडिशा में चार चरणों में 13 मई, 20 मई, 25 मई और एक जून को वोट डाले जाएंगे।

इनके अलावा गुजरात की 5, यूपी की 4, हरियाणा, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल,

तेलंगाना, राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु की 1-1 विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा। यहां उस क्षेत्र में होने वाले लोकसभा चुनाव के साथ ही नोटिफिकेशन जारी होगा और वोटिंग होगी। सभी राज्यों में काउंटिंग लोकसभा चुनावों की काउंटिंग के साथ 4 जून को होगी।

ओडिशा की 147, सिक्किम की 32, अरुणाचल प्रदेश की 60 और आंध्र प्रदेश की 175 विधानसभा सीटों पर चुनाव होंगे। ओडिशा में बीजू जनता दल की सरकार है। यहां भाजपा सीधे मुकाबले में है। नवीन पटनायक यहां साल 2000 से मुख्यमंत्री हैं।

आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता जगन मोहन रेड्डी मुख्यमंत्री हैं। यहां पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी , अभिनेता पवन कल्याण की जनसेना और भाजपा गठबंधन एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश में पेमा खांडू के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है। 2019 में पार्टी ने यहां 60 में से 42 सीटें जीती थीं।

सीएए के खिलाफ ओवैसी ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नयी दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नागरिकता संशोधन अधिनियम(सीएए) 2019 और इसके 11 मार्च 2024 को अधिसूचित नियमों के पीछे अपवित्र सांठगांठ का आरोप लगाते हुए इन पर रोक लगाने की गुहार के साथ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव ने बताया कि बेद्रे थाना क्षेत्र के अंतर्गत हिडमेटा, कामालंका के जंगलों में इन्द्रावती कमेटी के माओवादी उपस्थित होने की सूचना मिली थी। इस पर कल शाम जिला रिजर्व पुलिस बल, केन्द्रीय सुरक्षा बल तथा छत्तीसगढ़ फोर्स हिडमेटा के जंगल की ओर निकली। इसी बीच पुलिस और नक्सलियों के बीच लगभग एक घंटे तक मुठभेड़ हुई, जिसमें दो नक्सली मारे गए। दोनों की शिनाख्त की जा रही है। यादव ने बताया कि सुरक्षाबलों द्वारा जंगल में माओवादी कैम्प को ध्वस्त किया और मौके से हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। इलाके में सघन गश्त जारी है। वहीं कल ही एक बड़े नक्सली नेता सुधाकर को जवानों ने गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी गुंडेम और पूवर्ती के मध्य जंगल में हुई। सुधाकर पर आठ लाख रुपए का इनाम घोषित था।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा पूरी, लेकिन न्याय की लड़ाई आरम्भ : राहुल गांधी

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मणिपुर से महाराष्ट्र तक की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज मुंबई मे समाप्त हो गई लेकिन उन्होंने कहा कि देश की जनता के साथ हो रहे अन्याय के विरुद्ध उनकी न्याय की लड़ाई की यात्रा जारी रहेगी। गांधी ने कहा भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज समापन है - पर यह अंत नहीं, न्याय की लड़ाई का आरंभ है। यात्रा के दौरान मैंने हर वर्ग के साथ हो रहे भयंकर अन्याय और उत्पीड़न को बहुत करीब से जाना और समझा। मैं देशवासियों की उम्मीदों भरी आंखों में छिपे छोटे-छोटे सपनों को अपने साथ लेकर जा रहा हूं। उन्होंने कहा इस यात्रा से मेरा विश्वास और दृढ़ हुआ है कि देश की पहली ज़रूरत न्याय है और हर वर्ग को समर्पित कांग्रेस के 5 न्याय ही संकटकाल से गुज़र रहे भारत की संजीवनी है।

30 कंपनियों ने छापेमारी के बाद मोटा चुनावी चंदा दिया

जिसका प्रॉफिट 2 करोड़ भी नहीं, उसने 183 करोड़ रुपए के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी अपलोड होने के बाद लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। 30 कंपनियां ऐसी हैं, जिन्होंने छापेमारी के ठीक बाद राजनीतिक दलों को मोटा चुनावी चंदा दिया। कई और कंपनियों ने अपने नेट प्रॉफिट की तुलना में कई गुना ज्यादा चुनावी चंदा दिया।

कोलकाता की कंपनी मदनलाल लिमिटेड ने 2019 में लोकसभा चुनाव से पहले दो बार में 182.5 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदे, जबकि इस दौरान

उसका नेट प्रॉफिट महज 1.81 करोड़ रुपए था। 2020-21 में भी यह 2.72 करोड़ रुपए ही रहा। 2022-23 में महज 44 लाख था।

यही नहीं, सबसे ज्यादा चंदा देने वाली 30 कंपनियों में से 14 ऐसी हैं, जिन पर केंद्रीय या राज्य जांच एजेंसियों की कार्रवाई हुई है। डीएलएफ कॉमर्शियल ने 30 करोड़ का चंदा दिया। भूमि आवंटन में अनियमितताओं पर जनवरी 2019 में सीबीआई ने कंपनी पर छापा मारा था।

हेल्थकेयर कंपनियों ने 534 करोड़ रुपए चंदा दिया

स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े उपकरण और दवा बनाने वाली 14 कंपनियों ने 534 करोड़ चंदा दिया है। राशि 20-100 करोड़ है। इनमें डॉ. रेड्डीज लैब, टोरेंट फार्मा, नाटको फार्मा, डिविस लैब, अरबिंदो फार्मा, सिप्ला, सनफार्मा लैब, हेट्रो ड्रग्स, जायडस हेल्थकेयर, मैनकाइंड फार्मा हैं।

शराब कंपनियों ने 34 करोड़ दिए

शराब कंपनियों ने पांच साल में 34.54 करोड़ रुपए चंदा दिया। कोलकाता की केसल लिकर ने 7.5 करोड़, भोपाल के सोम ग्रुप ने 3 करोड़, छत्तीसगढ़ डिस्टलरीज ने 3 करोड़, मध्य प्रदेश से जुड़ी मा. एवरेस्ट बेवरीज ने 1.99 करोड़ और एसो अल्कोहल ने 2 करोड़ दिए।

पेचकस से की थी मेडिकल छात्रा की हत्या

पहले झगड़ा, लड़की ने थप्पड़ जड़ा तो मार डाला; 7 घंटे लाश लेकर घूमता रहा

सैफई। सैफई मेडिकल कॉलेज की एएनएम छात्रा को प्रेमी ने शक में मार दिया था। उसने पहले लड़की को हॉस्टल से बुलाकर कार में बैठाया। इस बीच दोनों में झगड़ा हुआ। प्रेमी ने हाथ उठाया तो लड़की ने भी थप्पड़ मार दिया। तभी गुस्से में लड़के ने डैश बोर्ड से पेचकस निकालकर उसकी गर्दन में मार दिया।

छात्रा करीब 25 मिनट तक तड़पती रही। इसके बाद दम तोड़ दिया। कार में आरोपी का चाचा भी था। लाश ठिकाने लगाने के लिए वह सैफई की सड़कों पर 7 घंटे तक घूमते रहे। रात के अंधेरे में सैफई से 12 किलोमीटर दूर वैद्यपुरा नदी के पुल पर शव फेंक कर फरार हो गए।

पुरा मामला

छात्रा प्रिया (18) औरेया के कुदरकोट की रहने वाली थी। वह एएनएम फर्स्ट ईयर की छात्रा थी और हॉस्टल के थर्ड फ्लोर पर रूम नंबर 302 में रहती थी। गुरुवार सुबह 8 बजे मेडिकल कॉलेज गई। करीब साढ़े 11 बजे उसने अपना मोबाइल फोन सहेली को दिया। उससे कहा कि 10 मिनट में आ रही हूं।

इसके बाद प्रिया मिश्रा वापस नहीं आई। दोपहर 2 बजे उसकी क्लास थी। क्लास में न आने पर टीचर ने फोन किया। फोन नहीं उठा। इसके बाद वार्डन से पूछा, लेकिन वो हॉस्टल में नहीं थी। जब शाम तक प्रिया नहीं आई तो वार्डन ने प्रिया के पिता को फोन कर पूछा कि वो घर तो नहीं आई। इसके बाद उसकी तलाश शुरू हुई।

शाम करीब साढ़े सात बजे मिला शव

इसके बाद शाम करीब 7 बजे खून से लथपथ उसका शव मिला। उसके गले से खून बह रहा था। छात्रा मेडिकल कॉलेज की ड्रेस पहनी थी। पुलिस को पहले लगा कि गोली मारकर हत्या की गई है। छात्रा के माता-पिता ने पड़ोसी महेंद्र बाथम पर हत्या का शक जताया। पुलिस ने मां की शिकायत पर 2 नामजद समेत 3 पर मुकदमा दर्ज है। शुक्रवार सुबह पुलिस ने सोनई पुल के पास आरोपी महेंद्र और उसके चाचा को एनकाउंटर के बाद पकड़ा।

ईवीएम से सुरक्षित, निष्पक्ष मतदान संभव : चुनाव आयोग

नयी दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को कहा कि देश में मतदान के लिये प्रयोग की जा रही इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पूरी तरह से सुरक्षित और निष्पक्ष है तथा इसके साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती।

राजीव कुमार ने यहां अट्ठारहवीं लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करने के बाद संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा कि ईवीएम की सुरक्षा और निष्पक्षता को लेकर देश की अदालतों में 40 बार मामले दायर किये गये हैं। अदालतों ने हर बार

आपत्तियों को खारिज किया और ईवीएम को सुरक्षित बताया। उन्होंने कहा, अब तो हालत यह है कि अदालतें ऐसे लोगों पर जुर्माना लगा रही हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि ईवीएम 100 प्रतिशत सुरक्षित है और इन्हें हैक नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ईवीएम के कारण चुनाव प्रक्रिया सरल हुई है और बहुत सारी राजनीतिक पार्टियों को चुनाव में हिस्सा लेने में आसानी हुई है।

नवनीत सहगल प्रसार भारती के चेयरमेन बने

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चर्चित आईएएस अफसर नवनीत सहगल को प्रसार भारती का अध्यक्ष बनाया गया है। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए ऑर्डर में तत्काल प्रभाव से तीन साल के लिए नियुक्त किए जाने और पदभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

नवनीत सहगल यूपी की बसपा, सपा और भाजपा की सरकारों में ताकतवर पद पर रहे हैं। प्रसार भारती का चेयरमैन बनाए जाने के बाद लोकसभा 2024 के चुनाव लड़ने की अटकलों पर अब विराम भी लग चुका है।

31 जुलाई 2023 को उत्तर प्रदेश के सबसे चर्चित वरिष्ठ

आईएएसअधिकारी नवनीत सहगल आज 35 सालों की सेवा के बाद रिटायर हो रहे हैं। 1988 बैच के अधिकारी नवनीत सहगल, मायावती अखिलेश यादव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कोर ग्रुप में काम कर चुके हैं। सरकार किसी की भी रही हो, लेकिन सहगल हर सरकार में प्रभावशाली रहे हैं।

बड़ा हादसा

ऑटो स्पेयर पॉर्ट्स बनाने का काम कर रहे थे

रेवाड़ी : लाइफ लॉन्ग फैक्ट्री में बॉयलर फटा : 50 से ज्यादा कर्मचारी झुलसे

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी में शनिवार शाम ऑटो पार्ट्स बनाने वाली लाइफ लॉन्ग फैक्ट्री में बॉयलर फट गया। जिसकी चपेट में आने से 50 से ज्यादा कर्मचारी झुलस गए। इनमें करीब 40 कर्मचारियों को गंभीर हालत में रेवाड़ी शहर के ट्रॉमा सेंटर में लाया गया है। फैक्ट्री धारूहेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में बनी हुई है।

सिविल सर्जन सुरेंद्र यादव ने बताया कि कर्मचारियों को बर्न इंजरी हैं। कुछ को धारूहेड़ा स्थित प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया। दूसरे अस्पतालों को अलर्ट कर दिया है। रेवाड़ी सिविल अस्पताल में 23 कर्मचारी भर्ती हैं। एक गंभीर मरीज को रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। करीब 40 कर्मचारियों के झुलसने का अनुमान है।

शाम 7 बजे हुआ ब्लास्ट

शनिवार शाम करीब 7 बजे फैक्ट्री में रोजाना की तरह कर्मचारी काम कर रहे थे।

अचानक जोरदार धमाका हुआ। फैक्ट्री में ब्लास्ट की सूचना के बाद कई एंबुलेंस की गाड़ी फैक्ट्री में पहुंची। साथ ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को भी मौके पर बुलाया गया। एक-एक कर झुलसे कर्मचारियों को बाहर निकालकर ट्रॉमा सेंटर और अन्य अस्पतालों में ले जाया गया।

कर्मचारी इतने झुलस चुके थे कि वह स्ट्रेचर पर नहीं लेट सकते थे। दर्द से कराहते हुए पैदल चलकर ही वह इमरजेंसी तक पहुंचे।

कर्मचारी बोला- अंधेरा छा गया

अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे कर्मचारी मनीष कुमार ने बताया कि उन्हें नहीं पता हादसा कैसे हुआ। करीब 150 कर्मचारी काम कर रहे थे। अचानक तेज धमाका हुआ। वहां अंधेरा छा गया। हम लोग बाहर नहीं निकल पाए।

जांच अधिकारी बोले- कारणों का पता लगाया जा रहा

जांच अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि गंभीर मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है। अभी कोई कैजुअल्टी नहीं हुई है। हादसा कैसे हुआ, इसका पता लगाया जा रहा है।

विपक्ष के निशाने पर सरकार

तेल की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी का असर महंगाई पर भी पड़ता है। इससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, कृषि कार्य में उत्पादन लागत बढ़ जाती है, जिससे बाजार में वस्तुओं की कीमतें कई बार काबू से बाहर चली जाती हैं। इसलिए महंगाई पर काबू पाने के लिए तेल की खुदरा कीमतें संतुलित करने के सुझाव दिए जाते हैं।

चुनाव नजदीक आने पर सरकारों की तरफ से लोकलुभावन योजनाओं-परियोजनाओं के अनावरण, वस्तुओं की कीमतों में कमी आदि की घोषणाएं करना कोई नई बात नहीं है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपए प्रति लीटर की कटौती भी इसी रणनीति का हिस्सा कही जा सकती है। इस पर स्वाभाविक ही विपक्षी दल तंज कस रहे हैं। मगर सरकार की नजर में शायद यह सिर्फ संयोग की बात हो। पिछले दो वर्ष से पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई थीं।

हालांकि इस बीच कई बार कच्चे तेल की कीमतों में उतार देखा गया, उसके मद्देनजर मांग की जाती रही कि पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें में कटौती की जानी चाहिए। मगर तब सरकार ने तर्क दिया था कि तेल के दाम में कटौती इसलिए नहीं की जाएगी, ताकि इससे तेल कंपनियों को हुए घाटे की भरपाई हो सके। पहले के नियम के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव किया जाता था। मगर सरकार ने इस तर्क के साथ तेल की कीमतों का निर्धारण खुद से करना शुरू कर दिया था कि कच्चे तेल की कीमतें कम होने पर तेल कंपनियों को जो कमाई होगी, उससे उन्हें अपना तेल का भंडार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

तेल की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी का असर महंगाई पर भी पड़ता है। इससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, कृषि कार्य में उत्पादन लागत बढ़ जाती है, जिससे बाजार में वस्तुओं की कीमतें कई बार काबू से बाहर चली जाती हैं। इसलिए महंगाई पर काबू पाने के लिए तेल की खुदरा कीमतें संतुलित करने के सुझाव दिए जाते हैं। मगर विचित्र है कि खुदरा महंगाई चिंताजनक स्तर पर पहुंच जाने के बावजूद सरकार ने तेल की कीमतों को कम करने पर विचार नहीं किया। सबसे अधिक आरोप तेल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को लेकर उठता रहा है। खुदरा तेल की कीमतें इसलिए ऊंचे स्तर तक पहुंच गई हैं कि इस पर राज्य और केंद्र सरकार ऊंची दर से उत्पाद शुल्क वसूलती हैं।

केंद्र सरकार एकमुश्त प्रति लीटर उत्पाद शुल्क लेती है, जिसे कम करने की मांग अनेक मौकों पर उठाई जाती रही, मगर एकाध मौकों पर उसमें कटौती की गई तो वह भी चुनाव का मौका था। मसलन, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के वक्त केंद्र सरकार ने अपने उत्पाद शुल्क में कटौती की थी।

जब केंद्रीय उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी की गई थी, तब भी यही तर्क दिया गया कि उस शुल्क का उपयोग तेल भंडारण बढ़ाने में किया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में तेल की कीमतों पर काबू पाया जा सके। मगर वह भंडारण कितना हो पाया, इसका भी कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

इनकी कीमतें बढ़ने से उनके मासिक खर्च में बढ़ोतरी हो जाती है। सरकार के ताजा फैसले से निस्संदेह आम लोगों को कुछ राहत मिलेगी, मगर यह कटौती पिछली बढ़ोतरियों की तुलना में इतनी कम है, कि उनकी जेब पर बहुत सकारात्मक असर नहीं पड़ने वाला। ज्यादातर राज्यों में खुदरा पेट्रोल-डीजल की कीमतें सौ रुपए प्रति लीटर के पार या करीब पहुंच चुकी हैं। उसमें दो रुपए की कटौती ऊंट के मुंह में जीरा जैसा ही साबित होगा। इसलिए, अगर सरकार ने चुनाव के मद्देनजर यह फैसला किया है, तो शायद ही उसे इसका कोई बड़ा लाभ मिले।

राजस्थान में कांग्रेस ने उम्मीदवार तो दमदार उतारे हैं, देखना होगा कि परिणाम क्या रहता है ?

अरमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस की सूची में बीकानेर सुरक्षित सीट से गोविंदराम मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया है। गोविंदराम मेघवाल पिछला विधानसभा चुनाव खाजूवाला क्षेत्र से हार गए थे। वह पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व पूर्व में भाजपा से भी विधायक रह चुके हैं।

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 10 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 सीटों पर चुनाव हारने वाली कांग्रेस पार्टी इस बार चुनाव में फूंक फूंक कर कदम रख रही है। इसीलिए अब तक घोषित 10 प्रत्याशियों में से किसी भी पुराने प्रत्याशी को रिपीट नहीं किया गया है। हालांकि कांग्रेस के बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह चुनाव मैदान में नहीं उतरे हैं।

यदि यह सभी नेता भी चुनाव मैदान में उतरते तो कांग्रेस बीजेपी में कड़ा मुकाबला देखने को मिलता। हालांकि अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को इस बार भी लोकसभा चुनाव में उतारा गया है। मगर उनका क्षेत्र बदलकर जोधपुर के स्थान पर जालौर-सिरोही कर दिया गया है। भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए चूरू के सांसद राहुल कस्वां को भी चूरू से प्रत्याशी बना दिया है। इसके साथ ही उदयपुर सीट पर आईएएस से इस्तीफा देने वाले ताराचंद मीणा को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है।

कांग्रेस की सूची में बीकानेर सुरक्षित सीट से गोविंदराम मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया है। गोविंदराम मेघवाल पिछला विधानसभा चुनाव खाजूवाला क्षेत्र से हार गए थे। वह पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व पूर्व में भाजपा से भी विधायक रह चुके हैं। पिछली बार बीकानेर से मदन गोपाल मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया था। वहीं 2014 में पूर्व सांसद शंकर पन्नू को प्रत्याशी बनाया गया था। चूरू संसदीय सीट पर दो बार भाजपा से सांसद बने राहुल कस्वां को प्रत्याशी बनाया गया है। राहुल कस्वां के पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद रह चुके हैं। जिले में इन्होंने ही सबसे पहले भाजपा का खाता खोला था। मगर राहुल कस्वां का टिकट काट देने से वह कांग्रेस की तरफ से चुनाव लड़ेंगे। चूरू से पिछली बार रफीक मंडेलिया व 2014 में प्रताप पूनिया को प्रत्याशी बनाया गया था।

झुंझुनू सीट से विधायक बृजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया गया है। चार बार के विधायक बृजेंद्र वाला गहलोत सरकार में परिवहन राज्य मंत्री थे।

उनके पिता शीशराम ओला झुंझुनू से पांच बार सांसद, नौ बार विधायक, केंद्र व राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके थे। झुंझुनू से पिछली बार सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार को व 2014 में बृजेंद्र ओला की पत्नी राजबाला ओला को प्रत्याशी बनाया गया था। यादव मतदाताओं की बहुलता वाली अलवर सीट पर मुंडावर विधायक ललित यादव को प्रत्याशी बनाया गया है।

ललित यादव ने पिछला विधानसभा चुनाव 34526 मतों से जीता था। अलवर से पिछले दो बार कांग्रेस से भंवर जितेंद्र सिंह चुनाव लड़कर बड़े अंतर से पराजित हुए थे। भरतपुर सुरक्षित सीट से संजना जाटव को प्रत्याशी बनाया गया है। जबकि पिछली बार अभिजीत कुमार जाटव व 2014 में डॉक्टर सुरेश जाटव प्रत्याशी थे। इस बार की प्रत्याशी संजना जाटव पिछला विधानसभा चुनाव कठूमर सीट से मात्र 409 मतों से हार गई थी। संजना जाटव अभी अलवर जिला परिषद की सदस्य हैं तथा मात्र 26 साल की उम्र से ही उसे लगातार कांग्रेस पार्टी से टिकट मिल रही है। संजना जाटव कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के अभियानों से जुड़ी हुई हैं। इसी के चलते उन्हें टिकट मिला है।

टोंक-सवाई माधोपुर सीट से कांग्रेस ने देवली विधायक हरीश मीणा को मैदान में उतारा है। जबकि पिछली बार उनके भाई नमोनारायण मीणा व उससे पहले क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन चुनाव लड़ चुके हैं। यहां से सचिन पायलट के चुनाव लड़ने की चर्चा थी। मगर उन्होंने अपने विश्वासपात्र हरीश मीणा को मैदान में उतार दिया है। हरीश मीणा 2014 में भाजपा से सांसद व 2018 तथा 2023 में कांग्रेस से विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। वह पूर्व में राजस्थान पुलिस के डीजीपी रह चुके हैं।

जोधपुर में करण सिंह उचियारड़ा को प्रत्याशी बनाया गया है। पिछली बार वहां अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत उम्मीदवार थे। मगर 3 लाख वोटों से हार गए थे। 2014 में वहां से केंद्रीय मंत्री चंद्रेश कुमारी प्रत्याशी रही थीं।

जोधपुर लोकसभा सीट को कभी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गढ़ माना जाता था। वह जोधपुर से पांच बार सांसद व छह बार विधायक का चुनाव जीत चुके हैं।

मगर पिछले लोकसभा चुनाव में उनके पुत्र की करारी हार के चलते उन्होंने अपने पुत्र वैभव गहलोत को जोधपुर के स्थान पर जालौर-सिरोही सीट से प्रत्याशी बनवाया है। जोधपुर से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को लगातार तीसरी बार प्रत्याशी घोषित किया है।

जालौर-सिरोही सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत चुनाव लड़ेंगे। पिछली बार यहां से रतन देवासी प्रत्याशी थे। जबकि 2014 में चित्तौड़गढ़ के रहने वाले उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाया गया था। उदयपुर सीट से उदयपुर में कलेक्टर रह चुके ताराचंद मीणा को प्रत्याशी बनाया गया है। 2019 व 2014 में यहां से रघुवीर मीणा कांग्रेस प्रत्याशी रहे थे। चित्तौड़गढ़ सीट पर उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाया गया है। आंजना गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री थे तथा पिछला विधानसभा चुनाव हार चुके हैं।

चित्तौड़गढ़ में पिछली बार गोपाल सिंह शेखावत व 2014 में गिरिजा व्यास चुनाव लड़ चुकी हैं। उदयलाल आंजना 2014 में जालौर-सिरोही सीट से चुनाव लड़कर हार चुके हैं। चित्तौड़गढ़ में भाजपा से प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी तीसरी बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

कांग्रेस ने इस बार तीन मौजूदा विधायक झुंझुनू से बृजेंद्र ओला, अलवर से ललित यादव, टोंक-सवाई माधोपुर से हरीश मीणा को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा सांसद राहुल कस्वां को चूरू से तथा पूर्व प्रशासनिक अधिकारी हरीश मीणा व ताराचंद मीना को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने तीन विधायकों को मैदान में उतार दिया है। वहीं पांच अन्य सीटों पर विधायकों कोटा से अशोक चांदना, दौसा से मुरारीलाल मीणा, राजसमंद से सुदर्शन सिंह रावत, बाड़मेर से हरीश चौधरी व करौली-धौलपुर से अनीता जाटव के नाम चल रहे हैं।

कांग्रेस में चर्चा है कि बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट भारतीय आदिवासी पार्टी को, सीकर सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को तथा नागौर व बाड़मेर सीट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को गठबंधन में दी जा सकती है।

इसी के चलते इन सीटों पर अभी प्रत्याशियों के नाम तय नहीं किए गए हैं। हालांकि बाड़मेर से विधायक हरीश चौधरी गठबंधन का विरोध कर रहे हैं। वह बाड़मेर से सांसद रह चुके हैं तथा चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी का प्रत्याशी ही बाड़मेर सीट से चुनाव लड़े। इसी के चलते अभी गठबंधन की घोषणा नहीं हो पाई है।

कांग्रेस के लिए इस बार का चुनाव वर्चस्व का सवाल बना हुआ है। विधानसभा में मिली हार के बाद कांग्रेस के पास यह सुनहरा अवसर है कि वह पिछली दो बार की हार को जीत में बदलकर अपना खोया जनाधार फिर से मजबूत करने की दिशा में अग्रसर हो।

टाईम पास

नैतिक दायित्वों की अनदेखी से उपजा संकट

गाज़ा में जिस तरह बेगुनाह नागरिकों का नरसंहार, बेइज्जती और उत्पीड़न देखने को मिल रहा है और उस पर शांति कायम रखवाने वाली एजेंसियां बेशर्मी से निष्क्रिय और मरणासन्न बनी हुई हैं, वह एक सभ्यतागत त्रासदी है। इस्राइली नेतृत्व निर्भीक होकर ढीठ बना ताकत की हनक में डूबा पड़ा है, और अंतर्राष्ट्रीय कानून की पूरी तरह अवमानना करने के बावजूद लाभ ले रहा है। बुजुर्ग औरतों को अपने युवा बेटों की लाशों पर पीड़ा से क्रंदन करते देख किसी की भी आंखों में आंसू आ जाएं, लेकिन सरकारें निर्विकार बनी हुई हैं। विशेषकर अमेरिका की, जिसने संयुक्त राष्ट्र में शांति स्थापना को लेकर पेश किए गए प्रस्ताव को पुन: ढिठाई से वीटो कर दिया है। इससे सत्य और नैतिकता युक्त अंतरात्मा की आवाज दबकर रह गई है। जैसा कि नाटककार हैरोल्ड पिंटर ने कहा है, 'सत्य की खोज कभी बंद नहीं हो सकती', खासकर ऐसे अंधे वक्त में, जब नाना किस्मों के झूठों ने हमें भरमा रखा है और व्हाइट हाउस एवं बड़े कॉर्पोरेट्स द्वारा पोषित आतंकवाद की करतूतें दुनियाभर में जारी हैं।

कफन में लिपटी अपनी पत्नी के शव पर पति को सिर रखकर रोते देखना हृदयविदारक है। एक मां रानिया अबू ने कुछ दिन पहले पति गंवा दिया था और अब चार महीने के जुड़वां बेटा-बेटी में बेटे को भी। अपने पुत्र की लाश पर हाथ मार बिलखती वह मां पीड़ा में उसकी देह को दफन के लिए ले जाने से रोकती हुई दुहाई देती है, 'मेरे जिगर का टुकड़ा चला गया, हम तो सो रहे थे न कि गोलियां चला रहे थे, न ही हम लड़ रहे थे। उसका कसूर क्या था? अब मैं कैसे जी पाऊंगी?' बेटे की दुधमुंही जुड़वां बहन, जो रिश्तेदारों की गोद में कपड़ों में लिपटी पड़ी है, वह भी सुबक रही है लेकिन उसे क्या पता कि मां पर क्या गुजरी है। जिस तरह उसका भाई और अन्य परिवार वाले चले गए उस तरह जाने कितने हज़ार अन्य भी पत्थर हो चुके हमारे मानवीय मूल्यों के जागने से पहले चले जाएंगे। बेगुनाह हमेशा भुगतते आए हैं।

ध्वस्त हुए अस्पताल के बाहर, खून से सनी पटड़ी पर पड़ी चौबीस लाशों का मंजर देखकर पत्थर दिल भी रो देगा। इनमें 11 से अधिक दुधमुंहे बच्चे हैं। बमबारी से तबाह हुए घरों की तस्वीरें, नागरिकों और सुरक्षाबलों के बीच खूनी झड़पों की दृश्यावली काफी न थी कि फलस्तीनियों के हालिया नरसंहार का मंजर झकझोर देता है, वे गए तो थे सामग्री पहुंचाने वाली गाड़ियों के सामने जिंदा रहने को भोजन के लिए हाथ फैलाने, पर झोली में पड़ी मौत। आखिर सामूहिक नरसंहार की परिभाषा में आने के लिए कितनों का होम होना जरूरी है ताकि युद्ध-अपराधियों को सजा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय को जगने के लिए काफी माना जाए। गाजा में चल रहा नरसंहार हमें वियतनाम युद्ध और हिरोशिमा पर गिराए परमाणु बम के काले दिनों की याद दिलाता है। क्या यही है सभ्यता जिसके लिए क्रमिक विकास कर हम यहां तक पहुंचे हैं? जिसमें द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद न्यूरम्बर्ग में युद्ध अपराधियों पर चलाए गए मुकदमों जैसा कुछ है? क्या हम इसको सभ्यता कह सकते हैं जब पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री मैंडलिन ऑलब्राइट द्वारा किसी को कहे यह जालिमाना शब्द सुनने को मिलें, 'हां, उनकी मौत का इतना ही मोल था।' यह वह राजनेता नहीं है जिनके अंदर युद्ध पीड़ितों के प्रति सहानुभूति दिखाने की काबिलियत हो, यह तो वह नेता है जो बदलाखोरी से ग्रस्त होकर नरसंहार का आनंद लेता है। नैतिकता के तमाम बोध या दायित्व को दरकिनार कर, जिसे सभ्य देश युद्ध में भी कायम रखना चाहेंगे। 'कला, सत्य और राजनीति' नामक अपने लेखक में पिंटर यक्षप्रश्न पूछते हैं, 'हमारी नैतिक संवेदना को क्या हो गया है? क्या अब बाकी भी है? और हमारी अंतरात्मा को क्या हुआ? क्या सब मर चुके हैं?' गाज़ा के पिछले कुछ महीनों के हालात देखें तो यह साफ हो जाता है कि आपराधिक जुल्म देखकर भी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय कमोबेश अनदेखा कर रहा है।

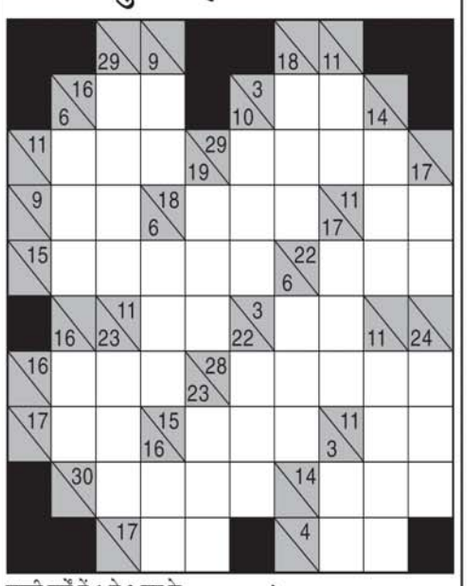

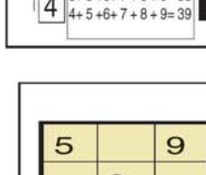

काकुरो पहेली - 3124

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणत:

1 2 3 5

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3123 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

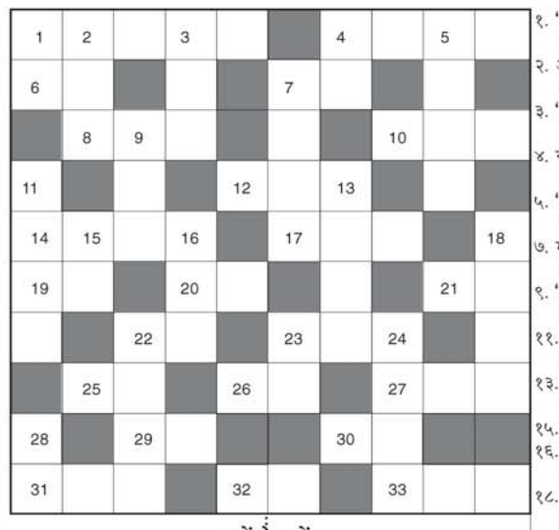

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3124

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3123

सूडोकु -3124

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3123 का हल

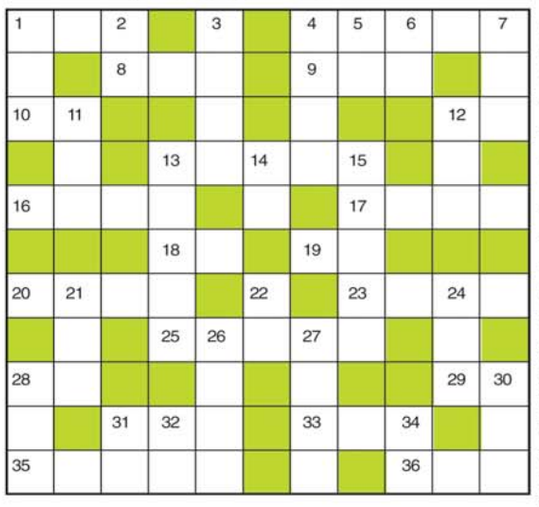

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3124

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -3123 का हल

ग्रेनो प्राधिकरण के खिलाफ 5वें दिन किसानों का धरना जारी

समस्या का 3 दिन में समाधान नहीं होने पर, खेरली नहर पर देंगे धरना

जेवर। अस्तौली में 4 दिनों से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ किसान धरने पर बैठे हैं। शनिवार को पांचवें दिन भी किसान धरने पर बैठे हुए हैं। किसानों को कहना है कि उनकी मुआवजा समेत कई मांगे प्राधिकरण ने पूरी नहीं की है।

जिसके चलते वह प्राधिकरण के काम को नहीं चलने देंगे।

किसानों का कहना है कि कई दिन धरने पर बैठे होने के बाद भी कोई अधिकारी उनसे वार्ता करने नहीं आया है। जिसके चलते किसानों में रोष है। उनका कहना है कि यदि तीन दिन में समाधान नहीं होता है तो वह खेरली नहर पर धरना प्रदर्शन करेंगे। किसानों का कहना है कि मंगलवार से वह धरने पर बैठे हैं, लेकिन किसी भी अधिकारी ने उनसे वार्ता करने की सुध नहीं ली है।

जिसके चलते किसान काफी नाराज है। शनिवार को किसानों की अन्य दिन के मुकाबले धरने पर संख्या बढ़ी है। किसानों का कहना है कि प्राधिकरण ने उनकी जमीन को खरीद कर अन्य प्राधिकरण को ऊंचे रेट में दिया है, लेकिन उनकी मांगों को अभी तक पूरा नहीं किया है।

जिसके चलते वह वहां पर काम को बंद करके अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं।

जमीन को सस्ते रेट में लिया

किसानों का कहना है कि प्राधिकरण ने उनके साथ काफी धोखा किया है। उनकी जमीन को सस्ते रेट में लेकर महंगे में बेचा है। साथ ही उनकी जो मुआवजे से संबंधित मांगे थी। उनको भी कई वर्षों से पूरा नहीं किया है। जिसके चलते किसानों में प्राधिकरण के प्रति भारी रोष है। जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होता है। किसान धरना प्रदर्शन करते रहेंगे। शनिवार को किसानों ने प्राधिकरण के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की है। इस मौके पर जयपाल भाटी, सूरज भाटी, किरण पाल, सुरेंद्र भाटी, तूरमल भाटी, आजाद और सुमित समेत कई किसान मौजूद रहे।

स्क्रैप माफिया रवि काना के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

मकान की चल संपत्ति को किया कुर्क, गैंगरेप के मामले में चल रहा फरार

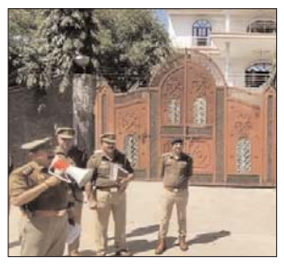

गौतम बुद्ध नगर। गौतमबुद्ध नगर में स्क्रैप माफिया रवि काना के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। न्यायालय के आदेश के बाद थाना सेक्टर 39 पुलिस और ग्रेटर नोएडा की दनकौर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रवि काना के गांव में पहुंचकर उसकी चल संपत्ति को कुर्क कर लिया।

स्क्रैप माफिया रवि काना की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। रवि के खिलाफ थाना सैक्टर 39 नोएडा पर गैंगरेप, एससीएसटी का मुकदमा दर्ज है, जिसमे वह वांछित चल रहा है। उस पर 25000 का इनाम भी घोषित है। अब रवि काना की ग्राम दादूपुर थाना दनकौर में स्थित मकान में चल सम्पत्ति को कुर्क किया गया।

दरसअल थाना सेक्टर 39 नोएडा में दर्ज मुकदमे में रवि काना उर्फ रविन्द्र नागर निवासी दादूपुर थाना दनकौर सहित 4 अन्य आरोपी आजाद, राजकुमार, विकास व महकी उर्फ महकार निवासी दादुपुर के थे। आरोपी रवि काना को छोड़कर शेष चारों आरोपी वर्तमान में जिला कारागार गौतमबुद्धनगर में बंद हैं।

कोर्ट के आदेश पर पुलिस फोर्स दादूपुर गांव पहुंची और अनाउंसमेंट करते हुए कुर्की की गई। गौरतलब है कि रवि काना लगातार फरार चल रहा है और पुलिस के द्वारा उसकी और उसके गिरोह की अब तक 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति को कुर्क कर लिया गया है।

शार्ट न्यूज

एटीएम से पैसे निकालने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद की खोड़ा पुलिस ने दो एटीएम फ्रॉड करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 57 हजार रुपए बरामद किया है। साथ ही साथ 83 एटीएम फ्रॉड करने वाली प्लेट भी बरामद की है। यह वही प्लेट्स हैं जिनसे एटीएम में फंसे पैसे को निकाल लिया करते थे और फिर लोगों से फ्रॉड किया करते थे। एसीपी इंदिरापुरम स्वत्रंत सिंह ने बताया की खोड़ा पुलिस ने ऐसे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जो पल भर में लोगो की गाड़ी कमाई को एटीएम से निकाल कर रफू चक्कर हो जाया करते थे। गाजियाबाद पुलिस को इन आरोपियों को पकड़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दरअसल, आरोपी सर्विलांस से ना पकड़े जाएं इस कारण से मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करते थे बल्कि आपस में वॉकी टॉकी से बात करते थे। पुलिस ने इन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस से 57000 की नगदी, एक तमंचा, जिंदा कारतूस, 83 एटीएम फ्रॉड करने वाली प्लेट्स बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों के नाम अफरोज आलम और आरिफ हैं। पुलिस के मुताबिक जब कोई शख्स एटीएम में पैसे निकालने के लिए घुसता था तो यह पैसे निकालने वाली जगह पर लोहे की प्लेट लगते थे। जो शख्स एटीएम कार्ड इस्तेमाल करता था। उसके अकाउंट से तो पैसे कट जाते थे, लेकिन पैसे निकलते नहीं थे। उसके जाने के बाद यह उसमें से पैसे निकाल लिया करते थे।

गाजियाबाद में महिला पर एसिड अटैक

गाजियाबाद। गाजियाबाद में घर जा रही महिला पर ऐसिड अटैक हुआ है। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात थाना सिहानी गेट क्षेत्र की है। पीड़ित महिला ई-रिक्शा से घर जा रही थी। महिला के पति की फैक्ट्री में एक्सीडेंटल मौत हो चुकी है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। गाजियाबाद के थाना सिहानी गेट क्षेत्र के पटेल नगर गैस ऐजेंसी के पास बैटरी रिक्शा में जा रही महिला पर ऐसिड अटैक हुआ है। पीड़ित महिला सुमन प्रजापति ने बताया कि वो फिलहाल नंदग्राम निवासी है। महिला राशन लेने के लिए डीलर के पास गई। जहां राशन न मिलने पर वापस अपने घर बैटरी रिक्शे से लौट रही थी। तभी पटेल नगर 2 की गैस ऐजेंसी के पास दो बाइक सवारों ने महिला सुमन पर तेजाब जैसा कुछ फेंक कर फरार हो गए। सुमन के मुताबिक उसके पति अखिलेश की भी फैक्ट्री के अंदर मौत हो गई थी। जिसका मुकदमा महिला लड़ रही है। घायल अवस्था में महिला को नंदग्राम कट पर तैनात ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया की पुलिस के संज्ञान में मामला है। पीड़ित महिला की तहरीर पर मुकदमा लिखा जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

डिस्पोजेबल क्रॉकरी की दुकान में लगी आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना लोनी क्षेत्र के इंदिरा मार्केट में एक दुकान में भीषण आग लग गई। इस दुकान में डिस्पोजेबल क्रॉकरी थी। देर रात लगी आग के बाद दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची, जिन्होंने 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। दुकान दिल्ली निवासी शख्स की है। गाजियाबाद में चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया की लोनी फायर स्टेशन पर चार्ली 3 कंट्रोल रूम से थाना लोनी के इंदिरा मार्केट में आग लगने की सूचना मिली। जिसके बाद ट्रॉनिका सिटी दमकल स्टेशन से दो गाड़ियां मौके पर रवाना हुईं। मौके पर जाकर देखा कि दिल्ली निवासी राजू नाम के व्यक्ति की जय अंबे ट्रेडर्स नाम की दुकान में आग लगी है। इसमें डिस्पोजेबल क्रॉकरी जैसे दोने पत्तल आदि थे। आग काफी भीषण थी, जिसके बाद साहिबाबाद और वैशाली फायर स्टेशनों से भी दमकल की गाड़ी मंगाई गई। दमकल कर्मियों ने होज पाइप फैलाकर आग पर काबू करना शुरू किया। धुएं के चलते आग पर काबू पाना मुश्किल था। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

मोदीनगर में दबंगों ने युवक से की मारपीट

मोदीनगर। मोदीनगर में दबंगों के द्वारा पुलिस के सामने युवती के साथ अश्लील हरकत और छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। छेड़छाड़ का विरोध करने पर युवती के भाई को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना निवाड़ी थाना क्षेत्र की है। पीड़ित ने बताया कि दो पुलिसकर्मी हमारे घर पर आए थे। उन्होंने जब आवाज लगाई तो घर के बाहर आ गया। इसी बीच पड़ोस में रहने वाले भी दंबग किस्म के लोग भी आ गए और गाली गलौज करनी शुरु कर दी। गाली देने का विरोध करने पर राइफल की बट मारकर मेरे पुत्र घायल कर दिया। मेरी पुत्री उसे बचाने आई तो दंबगों ने अश्लील हरकत करनी शुरु कर दी। इतना ही कपड़े तक फाड़ डाले और छेडछाड़ की। यह सब पुलिस के सामने हुआ और वह मूकदर्शक बने रहे। युवक की हालात गंभीर बनी हुई है। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि तहरीर के आधार पर अब्बास ,इलयास ,अपसर,कामिल ,सलमान और जुबैर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने सभी आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सरेराह रोककर छेड़छाड़ फिर कुचलने का प्रयास

ट्रांस हिंडन। वसुंधरा में मालवाहक वाहन सवार दो युवकों ने स्कूटी सवार दो बहनों को सरेराह रोककर छेड़छाड़ की। रिपोर्ट दर्ज कराने पर भी पुलिस दोनों को नहीं पकड़ पाई। इसके बाद शनिवार शाम को कुचलने का प्रयास किया गया। इस कारण पीड़िता काफी डरी हुई है।साहिबाबाद क्षेत्र में रहने वाली स्नातक की छात्रा स्कूटी पर बहन के साथ सिद्धार्थ विहार से दूध लेकर लौट रही थी। वसुंधरा में अचानक सामने से छोटा हाथी उनकी स्कूटी के आगे आकर रुका। बमुश्किल उन्होंने ब्रेक लगाए, जिस कारण हादसा होने से बचा। आरोप है कि छोटा हाथी सवार दो युवकों ने अश्लील टिप्पणी की और विरोध पर छेड़छाड़ की। आरोप है कि दोनों नशे में थे। उनके शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने बचाया, जिसके बाद आरोपी फरार हो गए। शनिवार शाम को वह बहन को स्कूटी से कोचिंग छोड़ने जा रही थीं। रास्ते में एक अन्य छोटा हाथी वाहन ने साइड में आकर उनकी स्कूटी में टक्कर मारी। इस कारण बहन गिर गई। पीड़िता का कहना है कि वाहन दूसरा था और चालक को वह देख नहीं पाई। मगर इस घटना के बाद से काफी डरी हुई हैं।

गाजियाबाद में भतीजे ने की चाचा की हत्या

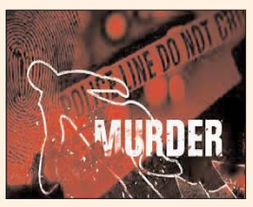

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र की गुलाब वाटिका कॉलोनी में भतीजे ने अपने चाचा की पत्थर से पीट-पीटकर हत्या कर दी। हत्या का कारण पुलिस खंगालने में जुटी है। परिजन घायल शख्स को अस्पताल ले गए, जहां मौत के बाद पुलिस को अस्पताल से सूचना मिली। वारदात शुक्रवार देर रात हुई। शनिवार की सुबह परिजन ने मुकदमा दर्ज कराया है। गाजियाबाद में एसीपी अंकुर विहार भास्कर वर्मा ने बताया कि थाना लोनी बॉर्डर के गुलाब वाटिका कॉलोनी के निवासी नारायण ने सूचना दी कि उनके भाई मुकेश की शुक्रवार रात को अपने भतीजे निखिल से लड़ाई हो गई थी। जिसके बाद निखिल ने मुकेश के सिर पर पत्थर मार दिया था। परिवार वाले घायल मुकेश को दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। मुकेश की मौत के बाद अस्पताल ने पुलिस को सूचना दी। शनिवार सुबह नारायण ने थाना लोनी बॉर्डर में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी निखिल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस हत्या के पीछे कारण जांचने में जुटी है। फिलहाल जानकारी में मिला है कि मुकेश और निखिल ने एक साथ बैठकर शराब की थी। उसके बाद किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद निखिल ने अपने चाचा मुकेश की पत्थर से पीटकर हत्या कर दी।

गौतमबुद्ध नगर में 26 अप्रैल को होगा मतदान

गौतम बुद्ध नगर। चुनाव आयोग ने देश में लोकसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। देश में सात चरणों में चुनाव होंगे। गौतम बुद्ध नगर में दूसरे चरण में मतदान होना है ,यानी की 26 अप्रैल को गौतम बुद्ध नगर में मतदान होगा। दूसरे फेस में गौतम बुद्ध नगर के अलावा अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा में भी मतदान होगा। चुनाव आयोग की तरफ से जानकारी दी गई की 28 मार्च को नोटिफिकेशन जारी होगा और नामांकन करने की अंतिम तिथि 4 अप्रैल होगी। गौरतलब है कि गौतम बुद्ध नगर से भारतीय जनता पार्टी ने मौजूदा सांसद डॉ महेश शर्मा पर ही विश्वास जताया है और उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है। महेश शर्मा लगातार दो बार इस सीट से जीत दर्ज कर चुके हैं, अन्य पार्टियों की तरफ से अभी तक कोई भी प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है।

गौतम बुद्ध नगर लोकसभा में पांच विधानसभा आती हैं ,जिनमें नोएडा, दादरी, जेवर ,सिकंदराबाद और खुर्जा है।

स्क्रैप माफिया रवि काना के गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

25,000 रुपए का इनाम था घोषित, गैंग का सरगना अभी भी फरार

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की थाना बीटा 2 पुलिस व स्वॉट टीम ने संयुक्त प्रयास से स्क्रैप माफिया रवि काना के सहयोगी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गया आरोपी पर 25000 का इनाम घोषित था। पकड़ा गया आरोपी अवध बिहारी सरिया माफिया रवि के गोरखधंधे में उसका सहयोग करता था। यह गैंगस्टर के मामले में फरार चल रहा था। पुलिस ने गैंगस्टर के मामले में फरार चल रहे आरोपी अवध उर्फ बिहारी उर्फ अमर सिंह को एटीएस गोल चक्कर थाना क्षेत्र बीटा-2 से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस द्वारा बताया गया कि अवध शातिर किस्म का अपराधी एवं स्क्रैप माफिया रवि काना के गैंग का सदस्य है। रवि नागर उर्फ रविन्द्र सिंह उर्फ रवि काना इस गैंग का गैंगलीडर है, जो सरिया और स्क्रैप के व्यवसाय में लम्बे समय से सक्रिय है।

इस गैंग के सदस्यों द्वारा विभिन्न निर्माणाधीन साइटों पर जाने वाले सरिए के ट्रकों को रोककर चालक से मिलीभगत कर सरिया उतरवा लेते हैं और रवि नागर उर्फ रविन्द्र सिंह उर्फ रवि काना से साइट के मैनेजर को डरा धमकाकर स्टॉक बुक में पूरा वजन अंकित कराते हैं।

उतारे गए सरिया को बाजार भाव से व्यापारियों को बेचकर गैंग के लिए अनुचित आर्थिक लाभ प्राप्त करते थे। इस गिरोह द्वारा डरा धमकाकर सरिया, स्क्रैप की चोरी, लूट जैसा गम्भीर अपराध कारित किया गया है, जिसके आधार पर इन सभी के खिलाफ गैंगचार्ट तैयार कर गैंग के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया।

इस गिरोह के सदस्य राजकुमार नागर, अनिल नागर, आजाद नागर, विकास नागर, विक्की, अफसार, राशिद अली, प्रहलाद, महकी नागर, मधु नागर, अमन शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इसी कड़ी में अवध उर्फ बिहारी उर्फ अमर सिंह, जिस पर 25,000 रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस आयुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी ने संयुक्त रूप से किया जनपद के बूथों का भ्रमण

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं को बनाये गये बूथों पर सभी सुविधाएं व कानून व्यवस्था मानकों के अनुरूप बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह एवं जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से मतदान हेतु बनाये गये बूथों का औचक स्थलीय निरीक्षण किया।

पुलिस आयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय छलैरा, चेतराम शर्मा इंटर कॉलेज छलैरा एवं नोएडा कन्या इंटर कॉलेज भंगेल में पहुंचकर मतदान बूथों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान पूर्व में बनाए गए बूथ एवं नवीन बूथों के निर्माण की स्थिति के बारे में जानकारी ली।पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि बूथों पर आने-जाने वाले रास्ते जहां पर खराब है उसको ठीक कर लें एवं जनपद में जितने बूथ बनाए गए हैं वहां पर आने जाने वाले रास्ते एवं बूथों के अंदर प्रकाश आदि की व्यवस्था को पूर्व में ही सुनिश्चित करा लें। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित की गयी सभी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जिन मतदान कार्मिकों की ड्यूटी मतदान केन्द्रों व बूथों पर लगाई जाएगी उनके लिए भी बिजली, पानी आदि की समस्त सुविधाएं मुहैया कराई जाए। उन्होंने मतदान केन्द्रों व बूथों पर रैंप, बैरिकेडिंग आदि की व्यवस्था करने के लिए निर्देश दिये, ताकि आने वाले वोटरों को कोई समस्या ना हो।पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने निरीक्षण के दौरान मतदेय स्थलों से संबंधित थानाध्यक्ष एवं चौकी इचार्ज को निर्देश दिए कि मतदान से पूर्व अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बूथों के आसपास सभी कानून व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप बनाई रखी जाए ताकि मतदान के दौरान मतदान कार्मिकों एवं वोटरों को अपने बूथों पर आने में किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े।निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी के साथ उप जिलाधिकारी दादरी विवेकानंद मिश्रा, डीसीपी सेंट्रल नोएडा सुनीति, एडीसीपी प्रीति यादव, पुलिस एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित रहे।

मन्दिर से आभूषण चोरी करने वाले दो अभियुक्त मुठभेड़ के उपरांत गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर 49 पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत दो अभियुक्तों दीपक भारती उर्फ दीपू पुत्र नन्द लाल भारती निवासी गाँव नैवरा थाना दानापुर जिला पटना बिहार हालपता गली नंबर 18 सोनू पण्डित का मकान सदरपुर थाना सेक्टर 39 नोएडा, पिन्टू तिवारी पुत्र सन्टू तिवारी उर्फ बिट्टू तिवारी निवासी बिसनपुरा थाना सरैया जिला मुजफ्फरपुर बिहार हाल पता अजीत चौहान का मकान गली नंबर 3 छलेरा थाना सैक्टर 39 नोयडा को बरौला टी पाइन्ट के पास से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों का एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त दीपक पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसको पुलिस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने दो तमंचे तीन सौ पन्द्रह बोर मय मय दो कारतूस जिन्दा, मन्दिर से चोरी किए 9 पीली धातु मुकुट, एक शेर की मूर्ती पीली धातु, एक कड़ा पीली धातु, एक लड्डू गोपाल की मूर्ती पीली धातु मय अंगवस्त्र और चार नथ पीली धातु की बरामद की है।

साप्ताहिक बंदी के दिन श्रम विभाग ने खुले वाणिज्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध अभियान चलाकर दिए नोटिस

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। जहाँगीरपुर कस्बे में शनिवार को दीपक कुमार मौर्य श्रम परिवर्तन अधिकारी गौतमबुद्धनगर, सतीश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत जहाँगीरपुर,बनवारी लाल टैक्स कलेक्टर नगर पंचायत जहाँगीरपुर द्वारा पुलिस प्रशासन के सहयोग से साप्ताहिक बंदी वाले दिन अपने प्रतिष्ठान खोले हुए व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई।गौरतलब है कि उपरोक्त अधिकारीगणों द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाकर उत्तर प्रदेश दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 के अंतर्गत श्रम परिवर्तन अधिकारी गौतमबुद्धनगर द्वारा साप्ताहिक बंदी दिवस के दिन वाणिज्य प्रतिष्ठानों खोलने वाले पाँच व्यक्तियों/वाणिज्य प्रतिष्ठानों संजय अग्रवाल पुत्र जगदीश अग्रवाल अनाज मण्डी जहाँगीरपुर,अमित कुमार पुत्र कालीचरन अग्रवाल खुर्जा जेवर रोड जहाँगीरपुर,पंकज अग्रवाल पुत्र मूलचन्द अग्रवाल निकट मीणा मार्केट जहाँगीरपुर, नितिन टेलीकॉम खुर्जा जेवर रोड जहाँगीरपुर और नरेश टेलीकॉम खुर्जा जेवर रोड जहाँगीरपुर को नोटिस जारी किए गए।

छात्राओं की बनाई वीडियो, केस दर्ज

नोएडा। जिले के कोतवाली सेक्टर-126 क्षेत्र स्थित एक नामी विश्वविद्यालय की दो छात्राओं के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। छात्राओं के पिता ने ऑटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उनका कहना है कि उनकी दो बेटियां विश्वविद्यालय में पढ़ती हैं। 15 मार्च की दोपहर बेटियां जब कालेज में पढ़ने के लिए आईं तो विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 के पास एक आटो रिक्शा चालक उनका पीछा करता हुआ पहुंचा। वह उनका वीडियो बनाने लगा। दोनों बहनों ने इस बात का विरोध किया तो उनके साथ अश्लील हरकत की। सूचना पर छात्राओं के पिता पहुंचे तो आरोपित ने उनके साथ भी अभद्रता की। पुलिस ने सदरपुर सलोनी के सुरेंद्र पटेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

फ्लैट से चोरी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से चोरी के 9 लाख रूपये नगद सहित सोने चाँदी के आभूषण बरामद

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने गोपनीय सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुये महिला मित्र के फ्लैट पर जाकर फ्लैट का ताला खोलकर रूपये व ज्वैलरी चोरी करने वाले अभियुक्त योगेश पुत्र चन्द्रहास निवासी ग्राम सियाली गौसाई थाना गजरौला जिला अमरोहा को इटेहरा गोलचक्कर से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने फ्लैट से चोरी किये गये नौ लाख रूपये नगद, चार सोने के कंगन, एक सोने की अंगूठी, एक सोने की अंगूठी, एक सोने की कंठी, दो जोडी चाँदी की पाजेब, एक चाँदी का कमरबंध, दो चाँदी के हथफूल और घटना में प्रयुक्त एक चाबी बरामद की है। अभियुक्त की महिला मित्र थाना बिसरख क्षेत्र स्थित एस के ए ग्रीन आर्च सोसाइटी के जिनिया टावर में रहती है अभियुक्त अपनी महिला मित्र के यहाँ आता जाता रहता था। अभियुक्त को फ्लैट के अंदर की समस्त जानकारी थी कि फ्लैट के अंदर कीमती सामान व नकदी कहाँ रखी है। अभियुक्त के द्वारा पूर्व में मौका पाकर अपनी महिला मित्र के फ्लैट की दूसरी चाबी चुरा ली। जब महिला मित्र के समस्त परिवारीजन बाहर गये हुए थे। इस बात की जानकारी अभियुक्त को लगी और 2 मार्च 2024 को अभियुक्त के द्वारा फ्लैट का ताला दूसरी चाबी से खोलकर फ्लैट के अंदर प्रवेश कर लॉकर तथा सैफ में रखे नौ लाख रूपये तथा सोने चाँदी के आभूषण चोरी कर लिये। जिन्हे अपने गाँव में ट्यूबल की दीवार के पीछे गड्ढा खोदकर छिपाकर रख दिये। चोरी किये गयी नकदी व सोने चाँदी के आभूषणो को अभियुक्त की निशादेही पर बरामद किया गया। गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

4 लोगों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच मे जुटी

ग्रेटर नोएडा। दादरी थाना क्षेत्र में एक महिला ने मुकदमा दर्ज कराया है। रिपोर्ट के मुताबिक वह अपनी बेटी के साथ शौच करने के लिए खेत मे गई थी। तभी 4 लोग वहां पर आए और उसकी नाबालिग बेटी का अपहरण करके ले गए। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि लड़की अपनी मर्जी से गई है। हालांकि, लड़की के परिजनों ने कहा था कि हमें अपहरण की धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस लड़की की तलाश कर रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक एक महिला अपने परिवार के साथ रिठौरी में रहती है। महिला का पति मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। महिला का आरोप है कि अपनी नाबालिग बेटी के साथ 13 मार्च की सुबह खेत में शौच करने ले लिए गई थी। महिला ने बताया कि तभी वहां पर जीतन पवार और राजू समेत 4 लोग आए।

आरोपियों ने उनकी बेटी का अपहरण कर लिया। उनकी बेटी ने खूब शोर मचाया, लेकिन आरोपी उनकी बेटी को लेकर भाग गए। वही दादरी थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय का कहना है कि मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। लड़की की तलाश के लिए टीम का गठन किया गया है।

इसके अलावा शुरुआती जांच में इस बात का पता चला है कि लड़की अपनी मर्जी से अपने दोस्त के साथ गई है, लेकिन परिजनों ने अपहरण की धाराओं में शिकायत दी है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत को प्राथमिकता देते हुए लड़की की तलाश शुरू कर दी है।

126 थाना के प्रभारी बने प्रमोद कुमार सिंह

नोएडा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कानून-व्यवस्था को चाक-चौबंद करने की उद्देश्य से थाना सेक्टर-126 के एसएचओ बदल दिए है। अब उनके स्थान पर दूसरे को थाना प्रभारी बनाया गया है। बताया जा रहा है कि सेक्टर-126 की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे थे, जिसकी वजह से कोतवाल को बदला गया। जानकारी के मुताबिक थाना सेक्टर-126 में तैनात प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार को हटाकर उनकी जगह प्रमोद कुमार सिंह को जिम्मेदारी दी है। सुबोध कुमार वर्ष 2001 बैच के दरोगा हैं। इससे पूर्व भी वह कई थानों में प्रभारी निरीक्षक रह चुके हैं। इस तबादले के बाद पुलिस विभाग में चर्चा है कि कुछ और पुलिस अधिकारियों का तबादला हो सकता है।

बहराइच पुलिस ने 3 बाइक चोरों को किया गिरफ्तार

चोरी की 8 बाइकें बरामद, चेचिस नंबर बदलकर कम दामों में बेचते थे

बहराइच। बहराइच की दरगाह पुलिस ने चोरी की 8 बाइक के साथ तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पूछताछ के बाद सभी को कोर्ट में पेश किया। जहां से उनको जेल भेज दिया गया। जबकि चोरी की बाइक को पुलिस ने सीज कर दिया। पकड़े गए चोर चेचिस नंबर बदलकर बाइक को कम दामों में बेचते थे।

पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा की देखरेख में दरगाह पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। दरगाह थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि चौकी प्रभारी सालारगंज मदनलाल,उप निरीक्षक वेदराम यादव, हेड कांस्टेबल शशि कपूर राव, राहुल बाजपेई, सत्यपाल गौतम, जय सिंह चौधरी और विशाल यादव की टीम शनिवार को नरियाघाट पुल के पास वाहन जांच कर रही थी। एक बाइक सवार को रोककर उसके कागजात मांगे गए तो वह नहीं दिखा सका। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बाइक चोरी की बताई। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

चेचिस नंबर बदलकर बेचते थे

अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा ने बताया कि पकड़े गए बाइक चोर से पुलिस टीम ने पूछताछ की तो उसने अन्य दो चोरों के बारे में बताया। बताए गए स्थान से चोरी की अन्य बाइक बरामद हुई। कुल 8 वाहन तीन चोरों के कब्जे से बरामदा हुआ। बरामद बाइक को सीज कर दिया गया है। जबकि बाइक चोरी के मामले में रिसिया थाना क्षेत्र के ग्राम रिसिया जमाल निवासी शमशाद उर्फ गुल्ले पुत्र शरीफ रिसिया नगर निवासी नबी सरवर उर्फ बड़कऊ पुत्र हजारी और राम गांव थाना क्षेत्र के ग्राम चिलरिया गांव निवासी अफसर अली पुत्र समीउल्ला के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। सभी चोरी के वाहनों का चेचिस नंबर बदलकर उसका संचालन और बिक्री करते थे।

गाजीपुर में व्यवसाई के घर हुई लाखों की चोरी

गाजीपुर। गाजीपुर में स्वाट व सर्विलांस टीम तथा थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा जनपद में कई चोरियों को अंजाम दे चुके 3 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। चोरी के 8 लाख 25 हजार रुपए नकद समेत लगभग 16 लाख रुपए के आभूषण व अवैध असलहा बरामद किया गया। पुलिस ने बीते दिनों मोहम्मदाबाद में व्यवसायी के घर हुई लाखों की चोरी का खुलासा भी किया। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि बीते 11 मार्च को मोहम्मदाबाद क्षेत्र में एक व्यवसाई के घर बड़ी चोरी की वारदात की जानकारी हुई थी। जिसके बाद से ही पुलिस वारदात की छानबीन में जुटी हुई थी। इसी दौरान सर्विलांस टीम द्वारा कॉल डिटेल की तफ्तीश भी की गई तो पीड़ित व्यवसायी का करीबी रिश्तेदार शक के घेरे में आया। पुलिस ने गहनता से छानबीन की तो वारदात का पर्दाफ़ाश हुआ। आरोपी रिश्तेदार ने पूरी वारदात का खुलासा कर दिया। कुल 7 बदमाशों ने मिलकर चोरी को अंजाम दिया था। मामले में पुलिस ने अनुराग रावत निवासी मध्यप्रदेश, प्रशान्त कुमार गुप्ता और अभिषेक यादव निवासी वाराणसी को तिवारीपुर तिराहा से गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से कुल 8 लाख पच्चीस हजार रुपए नकद समेत 16 लाख के गहने तथा दो तमंचे बरामद किया है।

शार्ट न्यूज

आचार संहिता लागू होते ही सार्वजनिक स्थानों पर लगें बैनर-पोस्टर को प्रशासन ने हटवाया

हरिनारायण यादव विशाल इंडिया

गाजीपुर। डीएम आर्यका अखौरी व एसपी ओमवीर सिंह द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 के तहत लागू आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर कोतवाली नगर क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर लगे राजनीतिक दलों के बैनर/पोस्टर व चुनाव प्रचार सामग्री को हटवाया गया व लोकसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत महोदय द्वारा कोतवाली नगर क्षेत्र में पैदल गस्त/रूट मार्च/एरिया डोमिनेशन किया गया। इस दौरान डीएम-एसपी द्वारा नगर के आम जनमानस से संवाद भी किया गया । सभी को लोकसभा चुनाव में बढ़ चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करते हुए उन्हें इस चुनाव प्रक्रिया में अधिक से अधिक संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया। यह रूट मार्च महुआबाग से होते हुए सदर अस्पताल, मिश्र बाजार, विशेश्वरगंज, सकलेनाबाद से लंका आकर समाप्त हुआ।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी को मिला कार्यालय

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक ललितपुर मो. मुश्ताक ने आज फायर स्टेशन ललितपुर के नए निर्मित भवन में मुख्य अग्निशमन अधिकारी ललितपुर के कार्यालय का उदघाटन किया। साथ ही फायर स्टेशन का निरीक्षण भी किया गया। पुलिस अधीक्षक ने फायर स्टेशन ललितपुर पर उपलब्ध फायर वाहनों को चेक कर उनकी गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। आने वाली फसल व चुनावों को देखते हुए स्टेशन के समस्त कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रहने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी डॉ मतलूब हुसैन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी डॉ मतलूब हुसैन, इसहाक हाशमी, मदन पाल वर्मा एवम् फायर स्टेशन का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा।

चुनाव और त्योहारों के मद्देनजर पुलिस अलर्ट, पुलिस और अर्धसैनिक बलों का फ्लैग मार्च

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी, गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन में आगामी लोकसभा चुनाव व त्योहारों को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने हेतु जनपद खीरी पुलिस पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है जिसके लिए जनपद खीरी के विभिन्न थानों द्वारा नियमित रूप से संवेदनशील ग्रामों, कस्बों एवं वल्नरेबल मतदान केंद्रों में पैदल गस्त/एरिया डोमिनेशन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार दिनांक 16.03.2024 को अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी महोदय द्वारा क्षेत्राधिकारी पलिया महोदय, प्रभारी निरीक्षक थाना पलिया, अर्ध सैनिक बल व पुलिस की संयुक्त टीम के साथ कस्बा मोहम्मदी में फ्लैग मार्च किया गया।

समाधान दिवस पर युवक ने मारा खुद को चाकू

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद के बांसडीह तहसील में शनिवार को समाधान दिवस के दौरान समस्या के समाधान को लिए आए फरियादी युवक ने पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी के समक्ष खुद को चाकू मारकर आत्महत्या का प्रयास किया । पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के बांसडीह थाना क्षेत्र के पिण्डहरा गांव निवासी सनोज कुमार का पट्टीदार से छज्जा निकालने का विवाद चला रहा था, जिसके निस्तारण हेतु वो अपनी मां के साथ बांसडीह तहसील आया हुआ था, जहां पुलिस अधीक्षक देवरंजन वर्मा तथा जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार भी पहुंचे हुए थे । पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अधिकारियों से बातचीत के दौरान सनोज उग्र हो गया तथा उसने प्रार्थना पत्र में छुपा कर रखे एक छोटे से चाकू से खुदपर दो बार प्रहार कर लिया । पुलिस बल द्वारा उसको तुरन्त पकड़कर उससे चाकू छीना गया एवं उसे तत्काल इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांसडीह ले जाया गया । मामले में पूर्व में जब थाने पर दोनों पक्षों को समझौते के लिए बुलाया गया था तब भी सनोज कुमार ने अपने को फांसी लगा लेने की धमकी दी थी । जिलाधिकारी ने बताया कि मामले में उपजिलाधिकारी तथा पुलिस उपाधीक्षक बांसडीह की संयुक्त टीम द्वारा प्रकरण को निस्तारित करने के लिए निर्देशित कर दिया गया है ।

बिजनौर में विवाहिता की जहर देकर हत्या

बिजनौर। बिजनौर के स्योहारा इलाके में दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को जहर देकर मारने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। मृतका की सास और ससुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कवायद में जुट गई है। पूरा मामला बिजनौर के स्योहारा थाना क्षेत्र का है, जहां कि कुरी बांगर गांव के रहने वाले जयपाल सिंह पुत्र मुकंदी सिंह ने 21 फरवरी को स्योहारा थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसकी बेटी रुक्मेश की दहेज की मांग पूरी न होने पर उसके पति सुंदर पुत्र चंद्रपाल, ससुर चंद्रपाल पुत्र स्वर्गीय बिहारी, सास गंगा देवी, देवर मयंक पुत्र चंद्रपाल और नंद निशा पुत्री चंद्रपाल ने जहरीला पदार्थ देकर हत्या कर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ 498 ए 304 बी व 1/4 में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। आज कार्रवाई करते हुए मृतका के ससुर चंद्रपाल व उसकी पत्नी गंगा देवी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एसआई प्रमोद कुमार शर्मा का कहना है कि दो आरोपियों की गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

मासूम की मौत, पत्नी पर हत्या कर फेंकने का आरोप

औरैया। औरैया में पति ने अयाना निवासी पत्नी पर तीन माह के बच्चे को यमुना नदी में फेंकने का आरोप लगा पुलिस को सूचना दी। पुलिस गोताखोरों की मदद से बच्चे को नदी में खोजने में जुटी है। वहीं पत्नी बीमारी से बच्चे की मौत होना बता रही है। अयाना निवासी बीनू भदौरिया की बेटी गार्गी की शादी 2022 में आगरा निवासी रजत के साथ हुई थी। दोनों में अनबन के चलते रक्षाबंधन से गार्गी मायके में रहती है। यहां उसने एक बेटे को जन्म दिया। शनिवार सुबह पति रजत ने 112 पर फोन कर जानकारी दी कि पत्नी ने विवाद के चलते उसके बच्चे को बीझलपुर स्थित यमुना नदी में फेंक दिया है। जानकारी पर पुलिस के हाथ पांव फूल गए। मौके पर पहुंचे सीओ अजीतमल राममोहन शर्मा, थाना प्रभारी जयप्रकाश पाल ने स्थानीय गोताखोरों की मदद बच्चे की नदी में खोज शुरू की है। वहीं पत्नी गार्गी ने बताया कि पति ग्वालियर घोषपुरा 01 में रहते हैं। वह उसे अपने साथ नहीं ले जाते थे। आगरा आने पर उसके साथ मारपीट करते थे। इसपर पिता उसको घर ले आये थे। कुछ दिनों से बेटे की तबियत खराब थी। शनिवार सुबह बच्चे को परेशानी बढ़ने पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां से सैफई ले जाने के दौरान रास्ते में उसकी मौत हो गई।

एसपी ऑफिस में खुद को आग लगाने वाले की मौत

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में एसपी ऑफिस के अंदर खुद को आग लगाने वाले वाले व्यक्ति की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। दस दिन तक पीड़ित जिंदगी और मौत के बीच जूझता रहा। उसकी मौत के बाद लखनऊ में ही पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को शाहजहांपुर लाया जाएगा। वहीं, इस घटना के बाद वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने आत्मदाह का प्रयास के लिए उकसाया था। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना कांट क्षेत्र के गांव सनेरा के रहने वाले ताहिर ने पांच मार्च को एसपी कार्यालय में आत्मदाह करने की कोशिश की थी। आग लगाते समय ताहिर का एक वीडियो भी सामने आया था। गंभीर रूप से झुलसे ताहिर को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। गंभीर हालत देखते हुए उसको लखनऊ रेफर कर दिया था, जहां इलाज के दौरान उसकी रात में मौत हो गई।

ताहिर के शव का लखनऊ में ही पोस्टमार्टम कराकर शाहजहांपुर लाया जाएगा। इस घटना के बाद वायरल वीडियो देखकर पुलिस ने कहा था कि, ताहिर को आत्मदाह के लिए कुछ लोगों ने उकसाया था। पुलिस ने वायरल वीडियो और एसपी ऑफिस में लगे सीसीटीवी फुटेज देखकर 6-7 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी।

प्रतापगढ़ में इंटरव्यू देने आई युवती से अभद्रता

प्रतापगढ़। मेडिकल कॉलेज में स्टाफ नर्स के लिए इंटरव्यू देने आई युवती ने आउटसोर्सिंग कर्मचारी पर अभद्रता का आरोप लगाया है। अभ्यर्थी युवती ने इसकी शिकायत प्रिंसिपल सलिल श्रीवास्तव से की तो इंटरव्यू लेते समय कर्मचारी उसका वीडियो बनाने लगा। युवती ने विरोध किया तो कर्मचारी ने कागज फेंक दिए और छेड़खानी की, जिसकी शिकायत 1090 पर की। कैम्पस में डायल 112 की पुलिस पहुंचने पर प्रिंसिपल ने अपना बचाव करते हुए आनन-फानन में एक जांच कमेटी गठित कर दी। महिला ने इसकी शिकायत कैंपस में बनी पुलिस चौकी पर भी की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। रायबरेली निवासी युवती के पिता की मौत हो चुकी है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, जिंदा जला बुजुर्ग

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के अमीर निशां का मामला, दिन में घर पर सो रहे थे बुजुर्ग

अलीगढ़। अलीगढ़ के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के अमीर निशां इलाके में एक घर में जिंदा जलकर बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना के समय बुजुर्ग घर पर अकेले थे और अपने कमरे में आराम कर रहे थे। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट के कारण घर के अंदर भीषण आग लग गई।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग देखते ही देखते इतनी विकराल हो गई कि बुजुर्ग को संभलने का मौका नहीं मिला और वह घर के अंदर ही जिंदा जल गए। आसपास के लोगों ने जब घर में आग देखी तो इसकी जानकारी तत्काल फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, जिसके बाद शव को बाहर निकाला जा सका।

अलीगढ़ के अमीर निशां निवासी खुर्शीद आलम (75) अपने परिवार के साथ रहते थे। शनिवार को सुबह परिवार के लोग घर के बाहर गए थे और उनके बेटे नौकरी करने चले गए थे। बुजुर्ग खुर्शीद आलम घर पर अकेले ही थे। नाश्ता पानी करने के बाद वह अपने कमरे में जाकर आराम कर रहे थे और उनकी आंख लग गई।

इसी दौरान शॉर्ट सर्किट के कारण उनके घर में अचानक आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते पूरा घर आग की लपटों से घिर गया। जिसके कारण बुजुर्ग अपने घर के बाहर नहीं निकल पाए और आग में झुलसकर उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इलाके के लोगों ने भी की मशक्कत

घर पर आग लगी देखकर इलाके के लोग भी हाथों में पानी की बाल्टी और मिट्टी लेकर आग बुझाने की कोशिश में जुट गए। लेकिन आग काफी विकराल रूप ले चुकी थी। आग बुझाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन इस दौरान बुजुर्ग की जलकर मौत हो गई।

2 हजार रुपए के लिए दोस्त का अपहरण

न्यूड करके बेल्ट-डंडों से पूरी रात पीटा; 2 के बदले 5 हजार लौटाने की धमकी

कानपुर। कानपुर में 2000 रुपए उधार नहीं लौटाने पर दोस्त ने दोस्त को अगवा कर लिया। उसे कमरे में न्यूड करके रात भर पीटा। युवक किसी तरह हाथ-पैर जोड़कर वहां से छूट कर घर पहुंचा। परिजनों को पूरी बात बताई।

परिवार के लोगों ने रावतपुर थाने में शिकायत की लेकिन सुनवाई नहीं हुई। घटना का वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तब रावतपुर पुलिस हरकत में आई। मामला दर्ज कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

घर से अगवा किया और न्यूड करके बेल्ट और डंडों से रात भर पीटा

रावतपुर में रहने वाले इंटर के छात्र ने बताया, इलाके में रहने वाले दोस्त आदित्य सिंह से 2 हजार रुपए उधार लिया था। किसी वजह से तय समय पर उधारी नहीं चुका पाया। इससे गुस्सा होकर आदित्य 10 मार्च को अपने दोस्त निखित, ऋतिक, अभिषेक और विष्णु के साथ घर पहुंचा।

मुझे घर के बाहर बुलाया और बाइक पर पीटते हुए बैठाकर ले गए। इसके बाद एक घर में बंद करके रात भर बेल्ट और डंडों से न्यूड करके पीटा।

सुबह हाथ-पैर जोड़ने और गिड़गिड़ाने पर उसे दबंगों ने छोड़ा।24 घंटे के अंदर 2 के बदले 5 हजार रुपए देने की धमकी दी।

परिजनों को देखते ही रोने लगा

हर्ष जब घर पहुंचा तो अपने परिजनों को देखते ही फफक कर रोने लगा। परिवार के लोगों को हर्ष ने पूरे मामले की जानकारी दी। हर्ष 11 मार्च की सुबह परिजनों के साथ रावतपुर थाने पहुंचा।

रावतपुर थाने की पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने की बजाए फटकार लगाकर भगा दिया। उधर बेखौफ दबंगों ने पिटाई का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

इसके बाद पीड़ित युवक और उसके परिवार के लोगों ने मामले की शिकायत अफसरों से की। वीडियो वायरल होने के बाद रावतपुर पुलिस हरकत में आई और आनन-फानन में अपहरण, मारपीट समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज किया गया। 5 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है।

हिरासत में 5 आरोपी

सहायक पुलिस आयुक्त कल्यानपुर अभिषेक कुमार पांडेय ने कहा, रावतपुर थाना क्षेत्र में पैसे के लेनदेन के मामले में एक युवक के साथ कुछ युवकों ने मारपीट की। कपड़े उतरवाकर वीडियो शूट किया। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर 5 आरोपियों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

माची वनक्षेत्र में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

सोनभद्र। सोनभद्र के रायपुर थाना क्षेत्र के चौखड़ा गांव के माची वन रेंज से सटे जंगल में पेड़ के सहारे गमछा से लटका हुआ एक युवक की शव मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे रायपुर थाना प्रभारी ने ग्रामीणों के मदद से शव को नीचे उतरवाया। मृतक की पहचान चौखड़ा गांव निवासी सतीश हलवाई (21) पुत्र संतोष हलवाई के रूप में हुई। परिजनों के आने के बाद पंचनामा करते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया परिजनों ने बताया कि चौखड़ा गांव निवासी सतीश हैदराबाद में कई वर्षों से किसी फैक्ट्री में काम कर रहा था अभी 3 दिन पहले घर आया था। शव को रायपुर थाना प्रभारी शिव प्रताप वर्मा ने बताया कि 13 मार्च की शाम को मैं कर्मनाशा नदी के किनारे इस लड़के को नदी में कूदने से बचाया था। पकड़ कर इसको घर ले गया घर नदी के पास ही है।

डूंगरपुर मामले में आजम सहित 4 लोग दोषी करार

18 मार्च को रामपुर कोर्ट सुनाएगी सजा, 3 लोगों को दोषमुक्त किया गया

रामपुर। रामपुर में पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान को कोर्ट ने चर्चित डूंगरपुर मामले में दोषी करार दिया है। एमपी एमएलए कोर्ट ने आजम सहित 4 लोगों को दोषी माना है और 3 लोगों को दोषमुक्त किया है। कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित किया है। 18 मार्च को कोर्ट अपना निर्णय सुनाएगी। कड़ी सुरक्षा में आजम खान को सीतापुर जेल से रामपुर लाया गया था।

बता दें कि तत्कालीन सपा सरकार में डूंगरपुर में आसरा आवास बनाए गए थे।

इस स्थान पर पहले से ही कुछ मकान बने हुए थे, जिन्हें सरकारी जमीन पर बताकर साल 2016 में ध्वस्त किया गया था। साल 2019 में भाजपा सरकार आने पर थाना गंज में इस मामले में एक दर्जन अलग-अलग मुकदमे दर्ज कराए गए थे।

एमपी-एमएलए कोर्ट में किया जाएगा पेश

इनमें आरोप लगाया कि सपा सरकार में आजम खां के इशारे पर पुलिस और सपाइयों ने आसरा आवास बनाने के लिए उनके घरों को जबरन खाली कराया था।

मकानों पर बुलडोजर चलवाकर ध्वस्त कर दिया गया था। इन मुकदमों में विवेचना के दौरान आजम खान का नाम शामिल किया गया।

आज इस मामले में फैसला सुनाया गया। इसके लिए आजम खान को जिला कारागार सीतापुर से रामपुर लाया गया। कोर्ट ने आजम सहित 4 लोगों को दोषी मानते हुए फैसला सुरक्षित किया है। 18 तारीख को कोर्ट सजा सुनाएगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्या से रूबरू हुए डीएम-एसपी

लखीमपुर खीरी। शनिवार दिनांक 16.03.2024 दिन तृतीय शनिवार को जनपद के प्रत्येक तहसील स्तर पर संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी खीरी, महेन्द्र बहादुर सिंह व पुलिस अधीक्षक खीरी, गणेश प्रसाद साहा द्वारा तहसील गोला पर उपस्थित रहकर संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई। इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच करके विधिक निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध रूप से निस्तारण करने तथा जिन प्रार्थना पत्रों का निस्तारण उच्चाधिकारी स्तर से किया जाना है उन पर रिपोर्ट लगाकर सम्बंधित अधिकारी को प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया गया।

डीआईजी ने तहसील दिवस में सुनी जनसमस्याए

क्षेत्र का भ्रमण कर थाना मोंठ का किया आकस्मिक निरीक्षण

ललितपुर। डीआईजी झाँसी द्वारा तहसील मोठ परिसर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये हुए फरियादियो की समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिये निर्देश। थाना मोठ का औचक निरीक्षण कर थाना परिसर की साफ सफाई, महिला हेल्प डेस्क, भोजनालय, कार्यालय, पत्रावलियां, रजिस्टरों को किया चेक, आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत 30 बिन्दु तैयारियों की समीक्षा कर दिये

निर्देश। पुलिस उपमहानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी कलानिधि नैथानी द्वारा तहसील मोठ परिसर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग कर सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर डीआईजी झाँसी द्वारा जनपद झाँसी के तहसील मोठ क्षेत्र के भ्रमण के उपरान्त थाना मोठ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया तथा थाना परिसर की साफ सफाई, कार्यालय, महिला हेल्प, पत्रावलियां, रजिस्टरों आदि को चेक किया गया । आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 के दृष्टिगत चुनाव रजिस्टर का अवलोकन कर चुनाव सम्बन्धी सभी 30 बिन्दुओं की तैयारियां का जायजा लिया गया । अराजक तत्वों के विरूद्ध की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की गयी।

लोकसभा चुनाव का शंखनाद होते ही पुलिस सतर्क, हटे पोस्टर बैनर

लखनऊ। लोकसभा चुनावों की तारीख का एलान होने के साथ उत्तर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गयी है वहीं प्रशासनिक अमला भी सतर्क हो गया है।

पुलिस एवं जिला प्रशासन ने अधिकारियों के साथ बैठक कर निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न कराने की रणनीति पर अमल शुरु कर दिया है। पुलिस को चौकन्ना कर दिया गया है वहीं गली मोहल्लों में राजनीतिक दलों के पोस्टर बैनरों को हटाने का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सात चरण में होने वाले इन चुनावों को सफल बनाने के लिए देश भर के मतदाताओं से अधिकाधिक मतदान की अपील की है। चुनाव आयोग द्वारा चुनावों की तारीखों के ऐलान के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर देश भर के मतदाताओं से न सिर्फ लोकसभा चुनाव के महायज्ञ में मतदान रूपी आहुति देकर इसे सफल बनाने का आह्वाहन किया, बल्कि फिर एक बार मोदी सरकार का नारा देते हुए पीएम मोदी के एनडीए को 400 के पार पहुंचाने के संकल्प को सिद्ध करने में जनमानस के आशीर्वाद के प्रति भी विश्वास जताया। योगी ने एक्स पर लिखा, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में आज से प्रारंभ हो रहे महापर्व आम चुनाव में आप सभी मतदाताओं का हार्दिक अभिनन्दन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्पों से समवेत होते हुए आज पूरे देश में जन गण का मन फिरएकबार मोदी सरकार की गूंज से ओतप्रोत है। जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से %अबकी बार एनडीए 400 पार%के संकल्प की सिद्धि अवश्य प्राप्त होगी। आप सभी मतदाता इस महायज्ञ में मतदान रूपी आहुति देकर इसे सफल बनाएं। भारत माता की जय। गौरतलब है कि देश भर की 543 सीटों के लिए आम चुनाव 7 चरणों में संपन्न होगा तो वहीं यूपी की 80 सीटों के लिए भी सभी सात चरणों में मतदान होगा। पहले फेज का नामांकन 27 मार्च को और वोटिंग 19 अप्रैल को होगी। जबकि आखिरी फेज का नामांकन 14 मई और वोटिंग 1 जून को होगी। नतीजे एक साथ 4 जून को आएंगे। सबसे ज्यादा 5वें और 6वें चरण में 14-14 सीटों पर वोटिंग होगी। सबसे कम पहले फेज में 8 सीटों पर मतदान होंगें।

मथुरा में सुए से गोदकर युवक की हत्या

सड़क किनारे शव फेंक कर हत्यारे हुए फरार, पुरानी रंजिश में की गई हत्या

मथुरा। मथुरा के थाना सुरीर क्षेत्र में देर रात एक युवक का खून से लथपथ शव सड़क किनारे पड़ा मिलने से दहशत फैल गई।

मौके से गुजर रहे ग्रामीणों ने जब शव पड़ा देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस इस हत्या के पीछे वजह पुरानी रंजिश मानकर चल रही है। शुक्रवार की देर रात थाना सुरीर कोतवाली क्षेत्र के भदनवारा रोड पर हेमंत सिंह निवासी सुरीर का शव ग्रामीणों ने देखा।

उसकी सुए से गोद कर हत्या की गई थी। हत्या को अंजाम देकर हत्यारे मौके से भाग गए। शव देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वारदात स्थल की स्थिति को देखा।

कनाडा में भारतीय परिवार की मौत

ब्रैंपटन । कनाडा के ओंटारियो प्रांत में भारतीय परिवार के घर में आग लगने से 3 सदस्यों की मौत हो गई। आग लगने की वजह अब तक सामने नहीं आई है। पुलिस को शक है कि घर में आग लगाई। उनका कहना है कि आग लगना एक्सीडेंटल नहीं हो सकता। पुलिस ने शनिवार को कहा- ब्रैंपटन शहर में स्थित एक घर में 7 मार्च को आग लगी थी। यहां आग बुझाए जाने के बाद मानव अवशेष मिले थे। हालांकि, यह साफ नहीं हुआ था कि कितने लोग जलकर मरे हैं। 15 मार्च को मानव अवशेषों की पहचान भारतीय परिवार के तीन सदस्यों के रूप में हुई। पुलिस अफसर टैरिन यंग ने कहा- आग में झुलसकर राजीव वारिकू, पत्नी शिल्पा कोठा और 16 साल की बेटी महेक वारिकू की मौत हो गई। आग लगने से पहले तीनों घर में ही मौजूद थे।

नोबेल पुरस्कार विजेता पर मुकदमा दर्ज

बीजिंग । चीन के नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार मो यान के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। यह मुकदमा चीन के राष्ट्रवादी ब्लॉगर माने जाने वाले वू वानझेंग ने दायर कराया है। वू का आरोप है कि मो यान ने अपनी किताब में चीन की सेना की आलोचना की है और जापान के सैनिकों को गौरवशाली परिपेक्ष्य में दिखाया। मो यान की यह फिक्शनल किताब जापान के चीन पर हमले के समय पर आधारित है। वू वानझेंग सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और अक्सर राष्ट्रवादी मुद्दों पर अपने विचार साझा करते रहते हैं। वू वानझेंग ने मुकदमे में मो यान से 1.5 अरब युआन का हर्जाना मांगा है। यह हर्जाना हर चीनी नागरिक के लिए एक युआन के आधार पर मांगा गया है और साथ ही मुकदमे में मो यान से माफी की मांग भी की गई है। वू वानझेंग ने ये भी मांग की है कि कथित विवादित किताब की बिक्री पर रोक लगाई जाए। हालांकि चीन की किसी अदालत ने अभी तक वू वानझेंग के मुकदमे को स्वीकार नहीं किया है।

क्रोएशिया में संसदीय चुनाव 17 अप्रैल को

बेलग्रेड। क्रोएशिया में संसदीय चुनाव 17 अप्रैल को होने है। राष्ट्रपति जोरान मिलानोविक के प्रशासन ने इसकी जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि श्री मिलानोविक ने देश में 17 अप्रैल को संसदीय चुनाव निर्धारित किए हैं। बयान के अनुसार क्रोएशियाई सबोर के सांसदों ने आखिरी बैठक में क्रोएशिया साम्राज्य की 1100वीं वर्षगांठ की तैयारियों की समीक्षा की, कई अंतरराष्ट्रीय संधियों की पुष्टि की, प्राकृतिक गैस और अन्य ईंधन पर वैट दर में कटौती को बढ़ाया, कई आर्थिक उपायों पर चर्चा की और संसद को भंग करने के लिए मतदान किया। प्रशासन द्वारा प्रकाशित श्री मिलानोविक के निर्णय में कहा गया, क्रोएशियाई सबोर के लिए सांसदों का चुनाव बुधवार, 17 अप्रैल, 2024 को होगा।

अमेरिका ने इटली को एक हथियार सौदे की मंजूरी दी

वाशिंगटन । अमेरिका ने इटली के साथ एक हथियार सौदे को मंजूरी दे दी है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। विदेश विभाग ने नौ करोड 60 लाख रुपये की अनुमानित लागत पर एआईएम-9एक्स साइडवाइंडर मिसाइलों और संबंधित उपकरणों की इटली सरकार को संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। इटली ने 88 एआईएम-9एक्स साइडवाइंडर ब्लॉक टू प्लस टैक्टिकल मिसाइलें, चार एआईएम-9 एक्स ब्लॉक टू प्लस टैक्टिकल गाइडेंस यूनिट, आठ एआईएम-9 एक्स कैप्टिव एयर ट्रेनिंग मिसाइल (सीएटीएम) और दो एआईएम-9एक्स सीएटीएम मार्गदर्शन इकाइयाँ, सक्रिय ऑप्टिकल लक्ष्य डिटेक्टरों, कार्मिक प्रशिक्षण और रसद सहायता सेवाओं जैसे अतिरिक्त उपकरणों के साथ खरीदने का अनुरोध किया है। बयान में कहा गया यह प्रस्तावित बिक्री नाटो सहयोगी की सुरक्षा में सुधार करके अमेरिका की विदेश नीति के लक्ष्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी जो यूरोप में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के लिए एक ताकत है तथा इससे क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा।

यूएनएससी में गाजा पर अमेरिका प्रस्ताव पर बातचीत जारी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में राजनयिकों की गाजा पर अमेरिका की ओर से तैयार प्रस्ताव पर बातचीत जारी है, लेकिन प्रस्ताव में तत्काल युद्धविराम की मांग के महत्व को कम कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप स्थायी प्रतिनिधि दिमित्री पॉलींस्की ने इसकी जानकारी दी है। अमेरिका ने गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग वाले प्रस्तावों को विफल करने के लिए पिछले पांच महीनों में तीन बार सुरक्षा परिषद में अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल किया है। श्री पॉलींस्की ने कहा कि सुरक्षा परिषद के बाकी सदस्य तत्काल युद्धविराम की मांग और राफा में इजरायली अभियान का विरोध करने वाले प्रस्ताव के प्रयासों में अमेरिका बाधा डाल रहा है। अमेरिकी प्रस्ताव में इजरायली अभियान का उल्लेख करते हुए कहा गया राफा में जमीनी हमले से नागरिकों को और अधिक नुकसान होगा तथा संभावित रूप से पड़ोसी देशों में उनका विस्थापन भी होगा। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि गाजा पट्टी में अब तक करीब 31,300 लोग मारे गए हैं। इसके अलावा, 24 नवंबर को, कतर ने इजरायल और हमास के बीच एक अस्थायी संघर्ष विराम और कुछ कैदियों और बंधकों की अदला-बदली के साथ-साथ गाजा पट्टी में मानवीय सहायता के वितरण पर एक समझौते में मध्यस्थता की।

हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम की संभावना

- इजराइल 1000 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने पर हो सकता है सहमत

तेल अवीव । हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम की संभावना बढ़ गई है। दोनों पक्ष अपनी पिछली मांगों से पीछे हटने को तैयार हो गए हैं। हमास जहां युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने की अपनी मांग की जगह इसे छह सप्ताह के लिए रोकने पर सहमत हो गया है, वहीं इज़राइल 1000 फ़िलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने पर लगभग तैयार हो गया है। इनमें से 100 पर हत्या सहित गंभीर अपराधों का आरोप है। युद्ध विराम के लिए पिछले दो दिनों में दोहा, काहिरा और पेरिस में वार्ताकारों के बीच कई बैठकें हुईं। इजराइली खुफिया एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि कतर ने हमास नेतृत्व को सूचित किया है कि अगर वे अपनी अनुचित मांगों से पीछे नहीं हटते हैं, तो कतर उनके नेताओं को अपने देश से निर्वासित करने में संकोच नहीं करेगा। सूत्रों के मुताबिक हमास 1000 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ने के बदले में सैनिकों सहित सभी इजरायली बंदियों को रिहा करेगा। इजराइली खुफिया एजेंसियों ने सरकार को सूचित किया है कि गाजा में शेष 134 इजराइली बंधकों में से 32 की मौत हो गई है। इजराइली प्रधान मंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि 1000 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ने के बदले में हमास शेष 102 बंधकों को रिहा करेगा और 32 बंधकों के शवों को इजराइल भेजेगा।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन द्वारा तोहफे में दी कार लिमोजिन में सवारी करते नजर आये किम जोंग उन

सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने हाल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा भेंट में दी लग्जरी कार लिमोजिन में सफर किया। किम की बहन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कार की ''विशेषताओं'' और दोनों देशों के बीच गहरे हो रहे द्विपक्षीय संबंधों की प्रशंसा की। पुतिन ने फरवरी में किम के लिए महंगी ऑरस सीनट लिमोजिन भेजी थी। उन्होंने सितंबर में रूस में एक शिखर सम्मेलन के लिए हुई मुलाकात के दौरान यह कार उत्तर कोरियाई नेता को दिखायी थी। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इस कार को भेजने से संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का उल्लंघन हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के इस प्रस्ताव का उद्देश्य उत्तर कोरिया को लग्जरी सामान की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाकर उस पर अपने परमाणु हथियारों के कार्यक्रम को छोड़ने के लिए दबाव बनाना है। सरकारी मीडिया में शनिवार को आए बयान में किम की बहन और वरिष्ठ अधिकारी किम यो जोंग ने कहा कि उनके भाई ने एक कार्यक्रम के दौरान पहली बार लिमोजिन में सफर किया। उन्होंने कहा, ''किम जोंग उन का रूसी फेडरेशन के राष्ट्रपति द्वारा उपहार स्वरूप भेजी निजी कार का इस्तेमाल करना उत्तर कोरिया-रूस के बीच मित्रता का स्पष्ट प्रमाण है जो एक नए उच्च स्तर पर व्यापक रूप से विकसित हो रही है।''

क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीपीबीडी) ग्रोबोगन द्वारा प्रदान की गई यह तस्वीर ग्रोबोगन रीजेंसी, मध्य जावा, इंडोनेशिया में भारी बारिश के बाद बाढ़ वाले क्षेत्र को दिखाती है।

राजनीति से ऊबे कनाडाई पीएम बोले- ये पागलपन से भरी नौकरी है

टोरंटो। कनाडा में प्रधानमंत्री पद के लिए अगले साल यानी अक्टूबर 2025 तक चुनाव होना है। इसके लिए हुए हालिया सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लिबरल पार्टी को कंजर्वेटिव्स के हाथों बुरी हार का सामना करना पड़ेगा। सर्वे की मानें तो कनाडा के मतदाता ट्रूडो से ऊब चुके हैं। ट्रूडो बतौर प्रधानमंत्री अपनी नौकरी से खासा परेशान नजर आ रहे हैं। उन्होंने खुद बताया कि यह एक पागलपन भरी नौकरी है और वे इसे छोड़ने के बारे में सोच रहे थे। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि वह अगले चुनाव तक पद पर बने रहेंगे। बता दें कि जस्टिन ट्रूडो का ये बयान ऐसे समय में आया है जब उनकी लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा चुनावों में बुरी तरह से पिछड़ रही है। ट्रूडो ने पहली बार नवंबर 2015 में पदभार संभाला था। तमाम सर्वे में हो रही हार की भविष्यवाणी के बीच ट्रूडो ने एक लंबे इंटरव्यू में फ्रांसीसी भाषा के ब्रॉडकास्टर रेडियो-कनाडा को बताया, मैं जो आज हूं वह शख्स कभी नहीं बन पाता। इसलिए इस अहम मोड़ पर मैं ये लड़ाई नहीं छोड़ सकता हूं।जब उनसे पूछा गया कि क्या वह राजनीति छोड़ने के बारे में सोचते हैं, तो उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया, मैं हर दिन छोड़ने के बारे में सोचता हूं। यह एक पागलपन भरा काम है जो मैं कर रहा हूं। व्यक्तिगत बलिदान दे रहा हूं... बेशक, यह बहुत मुश्किल है। पिछले साल ट्रूडो और उनकी पत्नी सोफी ने घोषणा की थी कि वे 18 साल की शादी के बाद अलग हो रहे हैं।ट्रूडो ने कहा, हमेशा ये बहुत अच्छा नहीं होता है। मैं लोकप्रिय होने के लिए राजनीति में नहीं आया, व्यक्तिगत कारणों से नहीं, (बल्कि) क्योंकि मैं सेवा करना चाहता हूं और मुझे पता है कि मेरे पास देने के लिए कुछ है।

अमेरिकी सीनेटर ने भारत में चुनाव को लेकर सोशल मीडिया कंपनियों से तैयारी के बारे में पूछा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के एक प्रभावशाली सीनेटर ने 'मेटा' के मालिकाना हक वाले व्हाट्सऐप समेत सोशल मीडिया कंपनियों से पूछा है कि उन्होंने भारत में चुनाव के मद्देनजर क्या तैयारियां की हैं। सीनेटर माइकल बेनेट के मुताबिक, भारत में सोशल मीडिया मंच का इस्तेमाल कर फर्जी और झूठी सामग्री साझा करने का रिकॉर्ड रहा है। अमेरिकी चुनावों पर नज़र रखने वाली सीनेट की खुफिया और नियम समिति के सदस्य सीनेटर बेनेट ने सोशल मीडिया मंचों का संचालन करने वाली कंपनियों को भारत में चुनाव की घोषणा से पहले पत्र लिखकर उक्त जानकारी मांगी है।

बेनेट ने 'अल्फाबेट', 'मेटा' (फेसबुक), 'टिकटॉक', 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के अधिकारियों को पत्र लिखा है जिसमें इन कंपनियों से भारत समेत विभिन्न देशों में चुनाव को लेकर उनकी तैयारियों के बारे में पूछा गया है।

बेनेट ने पत्र में कहा, 'आपके मंचों से चुनावों में होने वाले खतरे नए नहीं हैं - पिछले चुनावों में उपयोगकर्ताओं ने 'डीपफेक' और डिजिटल रूप से छेड़छाड़ कर सामग्री को पोस्ट किया था - लेकिन अब, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल लोकतांत्रिक प्रक्रिया और राजनीतिक स्थिरता दोनों के लिए जोखिम बढ़ाएगा।' उन्होंने कहा कि उन्नत एआई उपकरणों के माध्यम से अब कोई भी वास्तविक दिखने वाली तस्वीरें, वीडियो और ऑडियो का निर्माण कर सकता है जो चिंताजनक है। साल 2024 में 70 से ज्यादा देशों में चुनाव होने हैं और दो अरब से ज्यादा लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। साल 2024 'लोकतंत्र का वर्ष' है। इस साल ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, क्रोएशिया, यूरोपीय संघ, फिनलैंड, घाना, आइसलैंड, भारत, लिथुआनिया, नामीबिया, मेक्सिको, मोल्दोवा, मंगोलिया, पनामा, रोमानिया, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन और अमेरिका में चुनाव होने हैं।

'एक्स' के एलन मस्क, 'मेटा' के मार्क जुकरबर्ग, 'टिकटॉक के शो जी च्यू और अल्फाबेट के सुंदर पिचाई को लिखे पत्र में बेनेट ने इन मंचों की चुनाव संबंधी नीतियों, सामग्री नियंत्रण (मॉडरेशन) दल और एआई से बनाई गई सामग्री की पहचान करने के लिए अपनाए गए उपकरणों की जानकारी मांगी गई है। साथ में इसकी भी जानकारी मांगी गई है कि सामग्री नियंत्रण दल कितनी भाषाओं में हैं।

उन्होंने कहा, 'दुष्प्रचार और फर्जी सूचना तथ्य और कल्पना के बीच के अंतर को धुंधला करके लोकतांत्रिक चर्चा में जहर घोलते हैं। आपके मंचों को लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए, उसे कमज़ोर नहीं करना चाहिए।'

सीनेटर ने कहा, 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के प्रमुख सोशल मीडिया मंचों में 'मेटा' के स्वामित्व वाला व्हाट्सऐप भी शामिल है और इनका भ्रामक व झूठी सामग्री को बढ़ावा देने का एक लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। राजनीतिक तत्व जो अपने लाभ के लिए जातीय आक्रोश को बढ़ावा देते हैं, उन्हें आपके मंचों पर दुष्प्रचार नेटवर्क तक आसान पहुंच मिल गई है।' इसके बाद बेनेट ने उनकी नई नीतियों और भारत चुनावों के लिए तैनात किए गए लोगों के विवरण के बारे में पूछा। उन्होंने पूछा कि ÷आपने 2024 के भारतीय चुनाव की तैयारी को लेकर कोई नई नीतियां अपनाई हैं?

बेनेट ने पूछा, 'आपने असमी, बांग्ला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संताली, मैथली और डोगरी में कितने सामग्री नियंत्रकों को फिलहाल तैनात किया हुआ है।' सीनेटर ने सोशल मीडिया कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से कहा कि उनके मंच एआई से बनी सामग्री को रोकने के साथ-साथ पारंपरिक फर्जी सामग्री को रोकने में भी नाकाम साबित हुए हैं। सीनेटर के अनुसार, उन्होंने अमेरिकी खुफिया विभागों के प्रमुखों से सुना है कि रूसी, चीनी और ईरानी सरकारें अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप करने का प्रयास कर सकती हैं।

रूस में राष्ट्रपति चुनाव, वोटिंग के बीच हिंसा

-यूक्रेनी बॉर्डर से सटे शहर में आगजनी; कई पोलिंग बूथ में तोडफ़ोड़

मॉस्को (एजेंसी)। रूस में राष्ट्रपति पद के चुनाव की वोटिंग के बीच आगजनी और हिंसा हो रही है। यूक्रेन बॉर्डर से सटे बेलगोरोड शहर में पुतिन विरोधी लोगों ने कई जगह आग लगा दी। वहीं, राजधानी मॉस्को में लोगों ने कई पोलिंग बूथ में तोडफ़ोड़ की। पुलिस ने हिंसा के मामले में अब तक 8 लोगों को हिरासत में लिया है।

रूस में 15 मार्च को राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हुई। पहली बार तीन दिन वोटिंग हो रही है। रूसी नागरिक जो किसी क्रिमिनल केस में जेल की सजा न काट रहा हो, वो 17 मार्च तक वोट कर सकते हैं। वहीं, नतीजे मॉस्को के समय के मुताबिक, 17 मार्च की रात तक जारी हो सकते हैं।

महिला ने पोलिंग बूथ में स्याही डाली

सेंट पीटर्सबर्ग में एक लड़की ने स्कूल में बनाए गए पोलिंग बूथ में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि 20 साल की एक लड़की ने पुतिन के खिलाफ विरोध जताने के लिए आग लगाई। उसे हिरासत में लिया गया है। वहीं, राजधानी मॉस्को में एक महिला ने बैलट बॉक्स में स्याही डाल दी। मॉस्को के अन्य पोलिंग बूथ को भी आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने ऐसा करने वाली एक अन्य महिला को भी हिरासत में लिया। इधर, स्याही डालने वाली महिला को चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने के मामले में हिरासत में लिया गया। सेंट पीटर्सबर्ग, मॉस्को के अलावा वोरोनिश, कराचे-चर्केसिया और रोस्तोव शहर से भी लोगों को हिरासत में लिया गया है। साइबेरियाई क्षेत्र खांटी-मानसी में एक महिला ने बैलट बॉक्स जलाने की कोशिश की।

पुतिन ने ऑनलाइन वोट डाला

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने ऑनलाइन वोट डाला। 14 मार्च को रूस के चुनाव आयोग ने कहा था- देश में 11.23 करोड़ मतदाता हैं। इन वो लोग भी शामिल हैं जो रूसी कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्र के नागरिक भी शामिल हैं। इसके अलावा करीब 19 लाख वोटर देश से बाहर रहते हैं। इस बार रूस में ऑनलाइन वोटिंग की भी सुविधा रहेगी। यह सुविधा रूस के 27 क्षेत्रों और क्रीमिया में होगी। क्रीमिया यूक्रेन का वही क्षेत्र है, जिस पर रूस ने साल 2014 में कब्जा कर लिया था।

इमरान खान की पार्टी सुन्नी इत्तेहाद परिषद के साथ विलय की योजना बना रही, चुनाव आयोग के फैसले पर दारोमदार

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के शीर्ष नेता ने पार्टी की योजना का खुलासा किया कि अगर आयोग ने हाल के अंतर-पार्टी चुनावों को स्वीकार कर लिया और अपना प्रतिष्ठित चुनाव चिह्न वापस कर दिया तो वे सुन्नी इत्तेहाद कार्उंसल (एसआईसी) के साथ विलय कर देंगे। पाकिस्तानी समाचार चैनल डॉनन्यूज़टीवी के साथ एक साक्षात्कार में पीटीआई के असद क़ैसर ने कहा कि अगर पार्टी को हालिया संगठनात्मक चुनावों के बाद अपना चुनाव चिन्ह वापस मिल जाता है, तो दोनों पार्टियां विलय कर लेंगी और पीटीआई ही रहेंगी। एसआईसी पाकिस्तान में इस्लामी राजनीतिक और बरेलवी धार्मिक दलों का एक राजनीतिक गठबंधन है, जिसे 8 फरवरी के चुनावों में पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन प्राप्त है।

क़ैसर ने पुष्टि की कि पीटीआई समर्थित उम्मीदवार जो एसआईसी में शामिल हुए हैं, वे गठबंधन के साथ बने रहेंगे और यदि चुनाव चिन्ह का मुद्दा हल हो जाता है तो इसमें विलय कर लेंगे।

पाकिस्तान के चुनाव आयोग द्वारा पिछले साल दिसंबर में कराए गए पिछले संगठनात्मक चुनावों को खारिज करने के बाद हुए ताजा इंट्रा-पार्टी चुनावों में बैरिस्टर गोहर अली खान को हाल ही में पीटीआई के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। 71 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर इमरान खान द्वारा स्थापित पीटीआई को अपने अंतर-पार्टी चुनावों में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, हालिया चुनाव पिछले दो वर्षों में तीसरा प्रयास है। ईसीपी ने पहले जून 2022 में हुए चुनावों को अत्यधिक आपत्तिजनक बताते हुए रद्द कर दिया था। क़ैसर ने उल्लेख किया कि एसआईसी के साथ जुड़ने का निर्णय लेने से पहले पार्टी के भीतर व्यापक विचार-विमर्श हुआ और वे इस मामले पर कानूनी सलाह ले रहे हैं।

पाकिस्तान ने किया राम मंदिर का जिक्र, भारत ने इस्लामोफोबिया पर सुनाई खरी-खरी

-संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान की हुई किरकिरी

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के द्वारा राम मंदिर का जिक्र करने पर जमकर क्लास लगा दी है। इस दौरान भारतीय प्रतिनिधी ने पाकिस्तान को इस्लामोफोबिया को लेकर पाठ भी पढ़ दिया है। भारत के प्रतिनिधी ने पाकिस्तान से कहा कि केवल एक धर्म के बजाय हिंदू, बौद्ध, सिख और हिंसा व भेदभाव का सामना करने वाले अन्य धर्मों के खिलाफ धार्मिक भय व्यापकता को भी स्वीकार किया जाना चाहिए। इस दौरान जब पाकिस्तानी दूत ने अयोध्या में स्थित राम मंदिर का जिक्र किया तब भारत ने कड़ी आपत्ति जाहिर की।

शुक्रवार को 193 सदस्यीय महासभा ने पाकिस्तान द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव इस्लामोफोबिया से निपटने के उपाय को मंजूरी दी। 115 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, किसी ने भी विरोध नहीं किया और भारत, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूक्रेन तथा ब्रिटेन सहित 44 देश मतदान से दूर रहे।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने यहूदी-विरोध, 'ईसाईफोबिया' और

इस्लामोफोबिया (इस्लाम के प्रति पूर्वाग्रह) से प्रेरित सभी कृत्यों की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह स्वीकार करना जरूरी है कि इस तरह का 'फोबिया' (पूर्वाग्रह) अब्राहिमी धर्मों से परे भी फैला हुआ है। कंबोज ने कहा, इस्लामोफोबिया का मुद्दा निस्संदेह महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि अन्य धर्म भी भेदभाव और हिंसा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह स्वीकार करना जरूरी है कि दुनियाभर में 1.2 अरब से अधिक अनुयायियों वाला हिंदू धर्म, 53.5 करोड़ से अधिक अनुयायियों वाला बौद्ध धर्म और तीन करोड़ से अधिक अनुयायियों वाला सिख धर्म, सभी धार्मिक पूर्वाग्रह की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम एक धर्म के बजाय सभी धर्मों के प्रति धार्मिक पूर्वाग्रह की व्यापकता को स्वीकार करें। इस दौरान पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह और नागरिकता संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन का भी जिक्र किया।

पुतिन के लिए बुरी खबर: रूस की रुक सकती है युद्ध में ईरान की मदद

तहरान (एजेंसी)। रूस में चुनाव के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की परेशानी बढ़ गई है। जहां लगातार यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध में ईरान - रूस की मिसाइल, ड्रोन, हवाई बम भेज कर बड़ी मदद कर रहा था, अब उस पर रोक लगती दिखाई दे रही है। अब जी 7 समूह ने ईरान को चेतावनी दी है। जी 7 समूह ने ईरान को संदेश दिया है कि रूस को मिसाइल न भेजें अगर उसने ऐसा किया तो उसको सख्त परिणाम भुगतने होंगे। जी 7 देशों ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी दी और कहा कि अगर ईरान ने करीबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल रूस को भेजी तो उसको दंड का सामना करना पड़ेगा। रूस और यूक्रेन के बीच दो साल से चल रहे युद्ध में ईरान - रूस को मिसाइल भेज रहा है। जिस पर जी 7 देशों का गुस्सा फुटा है। जी 7 देशों ने कहा कि अगर ईरान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो यूरोप जाने वाली ईरान की एयर फ्लाइट तक पर भी बैन लगा दिया जाएगा।

वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा, जी7 ईरान की यूरोप में फ्लाइट पर बैन लगा देगा। बता दें, ईरान एयर यात्रियों को ईरान से यूरोप के कई शहरों तक ले जाती है। जी 7 इस उड़ान पर ही बैन लगा देंगे। अधिकारी ने कहा कि हालांकि संयुक्त राज्य अमेरिका इस बात की पुष्टि नहीं कर सका है कि मिसाइल पहले ही रूस को भेजी जा चुकी है या नहीं। ईरान पर बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि यह यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के कई देशों के बीच बातचीत का मुद्दा रहा है। जी7 के बयान में कहा गया है कि रूस को ईरानी मिसाइलें भेजना रूस को यूक्रेन पर हमला करने में मदद करेगा। ईरान द्वारा कुछ मिसाइलों, ड्रोनों और अन्य प्रौद्योगिकियों के निर्यात पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंध अक्टूबर में समाप्त हो गए है। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ ने ईरान को मिडिल ईस्ट और रूस में अपने प्रतिनिधियों को हथियारों के निर्यात पर साथ ही बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर प्रतिबंध बरकरार रखा। क्योंकि ईरान की तरफ से भेजी जा रही बैलिस्टिक मिसाइलें रूस के लिए यूक्रेन में युद्ध में इस्तेमाल करने के लिए एक शक्तिशाली नया हथियार होंगी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा है कि ईरान ने पहले ही रूस को ड्रोन, निर्देशित हवाई बम और तोपखाना गोला-बारूद भेजा है।

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल और फाइनल में बाधा आई तो रिजर्व दिनों में होगा मुकाबला : आईसीसी

दुबई ।

वेस्टइंडीज और अमेरिकी में जून में होने वाले टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व दिन रखे गये हैं जिससे बारिश आदि के कारण रद्द होने पर मैच इन दिनों रखा जाएगा। रिजर्व दिनों को लेकर फैसला आईसीसी की वार्षिक बोर्ड बैठक के दौरान लिया गया क्योंकि पिछले सत्र में रिजर्व दिन नहीं रखे जाने की कड़ी आलोचना हुई थी, कई टीमों को इससे नुकसान हुआ था। इसी को देखते हुए ही आईसीसी ने गत वर्ष भारत में हुए पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए रिजर्व दिन रखा था। बैठक के दौरान,आईसीसी ने पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के लिए खेल की शर्तों को भी मंजूरी दे दी और 2026 संस्करण के लिए योग्यता प्रक्रिया की भी घोषणा की। आईसीसी ने वार्षिक बोर्ड बैठक के बाद कहा कि ग्रुप चरण और सुपर आठ चरण में मैच आयोजित करने के लिए दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम को कम से कम पांच ओवर फेंकने होंगे। नॉकआउट दौर में, एक मैच के लिए दूसरी पारी में कम से कम 10 ओवर फेंकने होंगे। वहीं इससे पहले शुक्रवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 क्वालिफिकेशन प्रक्रिया को भी मंजूरी दे दी गई। ये 20 टीमों का टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा और इसमें कुल 12 स्वचालित क्वालीफायर होंगे। 2024 संस्करण में शीर्ष आठ टीमें भारत और श्रीलंका के साथ स्वचालित क्वालीफायर के रूप में जुड़ेंगी।

निसांका के शतक से श्रीलंका ने दूसरे एकदिवसीय में बांग्लादेश को हराया

सीरीज 1-1 से बराबरी पर आयी

चट्टोग्राम।

श्रीलंकाई टीम ने दूसरे एकदिवसीय मैच में बांग्लादेश को 3 विकेट से हराकर सीरीज एक-एक से बराबरी पर ल दी है। इस मैच में बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए श्रीलंकाई टीम को 287 रन का लक्ष्य दिया था जो उसने पाथुम निसांका के शतक से हासिल कर लिया। इस मैच में जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए लंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही पर पाथुम निसांका और चरिथ असलांका ने शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। निसांका ने जहां 114 रन बनाये। वहीं असलांका ने 93 गेंदों पर 91 रन बनाए। इन दोनो के आउट होने के बाद हसरंगा और दुनिथ ने टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। की राह दिखाई।

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज लिटन दास खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद सैम्य सरकार और कप्तान शान्तो ने पारी को आगे बढ़ाया। सौम्य सरकार ने 66 गेंदों पर 68 रन बनाए जबकि शान्तो 40 रन पर आउट हुए। मध्यक्रम में तौहीद ने नाबाद 96 रन बनाए और स्कोर 286 तक ले गए। इस दौरान मुशफिकुर रहीम ने 28 गेंदों पर 25, मेहदी हसन ने 12, तंजीम हसन साकिब ने 18 तो तस्कीन अहमद ने 10 गेंदों पर 18 रन बनाए।

वहीं श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने 10 ओवर में 45 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि दिलशान मधुशंका ने 30 रन देकर 2 विकेट लिये। प्रमोद ने भी 72 रन देकर 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरूआत खराब रही। अविष्का फर्नांडो 0, कप्तान कुसल मेंडिस 16 तो समरविक्रमा 1 रन बनाकर आऊट हो गए पर इसके बाद निसांका और चरिथ असलांका ने पारी को आगे बढ़ाया। निसांका ने 113 गेंदों पर 13 चौके और 3 छक्कों की मदद से 114 रन बनाए। वहीं, असलांका ने 93 गेंदों पर 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 91 रन बनाए। जानिथ 9 रन बनाकर आऊट हो गए। तब दुनिथ 15 और वानिंदु हसरंगा 25 ने पारी को संभाला और अपनी टीम को जीत दिला दी। इस सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश जीती थी। ऐसे में अब ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गयी है।

मजबूत दिल्ली कैपिटल्स, आत्मविश्वास से भरी आरसीबी के बीच होगी रोमांचक खिताबी भिड़ंत

नई दिल्ली,

अरुण जेटली स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ एक रोमांचक खिताबी भिड़ंत की गवाह बनेगी, जब मेग लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स आत्मविश्वास से भरी स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से भिड़ेगी, जिससे यह तय होगा कि कौन रविवार को चमचमाती डब्लूपीएल 2024 ट्रॉफी उठाता है. पिछले साल डब्लूपीएल 2023 में मुंबई से हारकर उपविजेता बनने के बाद दिल्ली के पास अब अपने घरेलू मैदान पर खिताब जीतने का सुनहरा मौका है. उनका प्रभावशाली फॉर्म उन्हें अपना पहला डब्ल्यूपीएल खिताब हासिल करने में मदद कर सकता है, क्योंकि उन्होंने अंक तालिका में शीर्ष पर रहकर सीधे फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी. इसके अलावा, डब्ल्यूपीएल इतिहास में आरसीबी के खिलाफ अपनी सभी चार भिड़ंत में दिल्ली विजेता रही है. प्रतियोगिता में दो हार को छोड़कर, बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने दिल्ली की अजेय छवि को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर प्रदर्शन किया है. ऑस्ट्रेलिया की कई बार विश्व कप विजेता कप्तान मेग लैनिंग ने आत्मविश्वास के साथ दिल्ली का नेतृत्व किया है, जबकि आठ पारियों में 308 रन बनाए हैं, और उन्हें शीर्ष क्रम में दूसरे छोर से बड़ी हिट शैफाली वर्मा का समर्थन मिला है. इस सीज़न में बल्ले से दिल्ली की सफलता में जेमिमा रोड्रिग्स और एलिस कैप्सी भी रन बनाने वाली प्रमुख खिलाड़ी रही हैं. गेंदबाजी विभाग में, तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मारिजैन कप्प और बाएं हाथ के स्पिनर जेस जोनासन ने 11 विकेट लिए हैं, जिससे वे टीम के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गयी हैं. बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव के साथ-साथ तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी, शिखा पांडे और तितास साधु भी डीसी के लिए गेंद से भरोसेमंद खिलाड़ी रही हैं. दूसरी ओर, आरसीबी को प्लेऑफ में प्रवेश करने के लिए उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा, लेकिन जब यह सबसे ज्यादा मायने रखता था, तो उन्होंने हार नहीं मानी और मुम्बई को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. उनकी उम्मीदें फिर से स्मृति, ऋचा घोष और एलिस पैरी, जो 312 रनों के साथ डब्ल्यूपीएल 2024 के लिए रन-स्कोरिंग चार्ट में सबसे आगे हैं, की तिकड़ी पर होंगी . उस रात जब उनकी टीम की बाकी साथी बल्ले से अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही थीं, एलिस ने बाउंड्री लगाने से पहले समय लिया और गेंद को नियमित अंतराल पर अच्छी टाइमिंग के साथ 50 गेंदों पर 66 रनों के साथ शीर्ष स्कोर तक पहुंचाया, जो अंततः आरसीबी को विजयी स्कोर तक पहुंचाने में निर्णायक साबित हुआ. आरसीबी को उम्मीद होगी कि स्मृति, ऋचा, दिशा कसाट और सोफी डिवाइन, जो खराब फॉर्म में हैं, फाइनल में अपनी लय हासिल कर लेंगी.

शायद वे सब्बिनेनी मेघना को लाना चाहेंगे, जिन्होंने पिछले कुछ मैचों में नहीं खेला है, लेकिन शीर्ष क्रम में

प्रतियोगिता के शुरुआती चरणों में अच्छा प्रदर्शन किया. एलिस अपनी स्विंग और सीम गेंदबाजी से भी समान रूप से प्रभावी रही हैं और उन्होंने सात विकेट लिए हैं, जो सभी एमआई के खिलाफ आए हैं. शुक्रवार की एलिमिनेटर जीत में, श्रेयंका पाटिल, सोफी मोलिनक्स, जॉर्जिया वेयरहैम और आशा शोभना की स्पिन चौकड़ी ने आरसीबी को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई.

बीसीसीआई रणजी खिलाड़ियों के लिए मैच फीस दोगुनी या तिगुनी करे : गावस्कर

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि रणजी ट्रॉफी में खेलने वाले खिलाड़ियों की मैच फीस को बढ़ाकर दो से तीन गुना किया जाना चाहिए। हाल में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रणजी खिलाड़ियों की मैच फीस बढ़ायी है पर गावस्कर इसे पर्याप्त नहीं मानते। उन्होंने बीसीसीआई से कहा कि इसे दुगनी या तिगुनी करे।

गावस्कर ने कहा, अगर रणजी ट्रॉफी की फीस दोगुनी या तिगुनी की जा सकती है, तो अधिक से अधिक खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी खेलना चाहेंगे। साथ ही कहा कि रणजी ट्रॉफी की फीस अधिक होने पर सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलना चाहेंगे। गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट चलता रहेगा पर भविष्य में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अब कम ही होगी। हो सकता है कि हर देश के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज केवल दो या तीन देश ही पांच टेस्ट खेल सकते हैं. गावस्कर ने इसके बाद इंसेंटिव स्कीम का उदाहरण देते हुए कहा, जैसा कि भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने धर्मशाला टेस्ट के बाद कहा था कि इंसेंटिव स्कीम टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए एक ईनाम की तरह है। ऐसे में बीसीसीआई से मैं यह अनुरोध करूंगा कि रणजी खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए भी कुछ ऐसी ही योजना लाई जाए।

पाक में दो दशक के बाद खेली जाएगी त्रिकोणीय सीरीज

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें होंगी शामिल

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि उनकी टीम अगले साल फरवरी में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ एक अपनी ही धरती पर एक त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। पीसीबी के अनुसार दो दशक के बाद देश किसी त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा। इससे पहले पाकिस्तान ने अक्टूबर 2004 में अंतिम बार त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी की थी तब श्रीलंका और जिम्बाब्वे की टीमें पाकिस्तान खेलने आई थीं। पीसीबी के अनुसार त्रिकोणीय सीरीज चैंपियंस ट्रॉफी से पहले खेली जाएगी। पाकिस्तान की टीम को इस एकदिवसीय टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। पाक ने अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी 2017 में जीती थी। तब उन्होंने भारत को फाइनल में 180 रन से हराया था।वहीं पीसीबी के नये अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के अध्यक्ष लॉसन नायडू और न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के अध्यक्ष रोजर टूसे से मुलाकात के बाद त्रिकोणीय सीरीज की घोषणा की है। पाकिस्तान ने अंतिम बार साल 2008 में बांग्लादेश में त्रिकोणीय सीरीज में भाग लिया था। इस सीरीज में पाक के अलावा अन्य दो टीमें बांग्लादेश और भारत थीं। अंतिम बार पाकिस्तान ने अक्टूबर 2004 में त्रिकोणीय श्रृंखला की मेजबानी की थी तब श्रीलंका और जिम्बाब्वे की टीमें पाकिस्तान खेलने आई थीं। पीसीबी प्रमुख नकवी ने कहा, पीसीबी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी के लिए भी उत्सुक है, जो पाकिस्तान के लिए अपनी धरती पर शीर्ष आठ एकदिवसीय टीमों की मेजबानी करने से जुड़ा है। हमारी दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच त्रिकोणीय सीरीज एक रोमांचक घटना होगी और यह लंबे समय के बाद है कि पाकिस्तान इस तरह के टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मैं त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेने के लिए सहमत होने के लिए न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीकी बोर्ड का आभारी हूं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पेरिस ओलंपिक की तैयारियों का अच्छा अवसर मिलेगा : हरमनप्रीत

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि अगले माह पांच मैचों की सीरीज के लिए होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। हरमनप्रीत का मानना है कि आगामी पेरिस ओलंपिक में जीत के लिए उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार की जरुरत है। हरमनप्रीत ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के लिए उनकी टीम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार 34 साल पहले साल 1980 में मास्को ओलंपिक में स्वर्ण जीता था। उसके बाद से ही टीम इसके करीब भी नहीं पहुंच पायी। टोक्यो ओलंपिक में हालांकि टीम ने कांस्य पदक जीतकर पदक का लंबा इंतजार खत्म किया था। हरमनप्रीत ने कहा कि अगर हम टीम के प्रदर्शन पर ध्यान दें तो यह अच्छा है। हम अतिआत्मविश्वास में नहीं हैं पर हम सभी बड़ी टीमों को कड़ी चुनौती दे रहे हैं। हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है। इसके अलावा हम किसी अन्य चीज पर विचार नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई अन्य लक्ष्य नहीं है। भारतीय टीम ने पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दर्ज करने के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत कर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।

इसके बाद उसने एफआईएच प्रो लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम इस लीग में आठ मैच में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। हरमनप्रीत ने कहा कि प्रो लीग के सभी मैच कठिन थे, लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने इन मैचों से काफी कुछ सीखा और टीम ने काफी सुधार किया। कुल मिलाकर हमने अच्छा प्रदर्शन किया।

हार्दिक को लेकर प्रवीण ने बीसीसीआई पर निशाना साधा, वह चांद से नहीं आया

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार ने आईसीसी अनुबंध को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर पक्षपात का आरोप लगाय है। प्रवीण ने कहा एक ओर से घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने पर ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को बाहर कर दिया गया है। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को अनुबंध सूची में बरकरार रखा है जबकि पंड्या भी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण ने तंज कसते हुए कहा कि पंड्या कोई चांद से उतर के नहीं आया है। प्रवीण ने कहा, पंड्या क्या चांद से उतर के आया है। अन्य लोगों की तरह ही उन्हें भी घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। उनके लिए कोई अलग नियम नहीं रखा जा सकता। बीसीसीआई को अपनी इस नीति का कारण भी बताना होगा। साथ ही सवाल किया कि पंड्या केवल घरेलू क्रिकेट में टी20 टूर्नामेंट ही क्यों खेलेंगे? उन्हें टेस्ट और टी20 सहित हर प्रारुप में खेलना होगा। पंड्या ने भारतीय टीम की ओर से छह साल से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ साल 2018 में खेला था। इसके बाद से ही वह टेस्ट मैच से बाहर हैं। वह केवल भारतीय टीम की ओर से टी20 और एकदिवसीय मैच में भाग लेते हैं। घरेलू क्रिकेट की बात करें तो वह केवल 20 ओवर के मैच में हिस्सा लेते हैं। हाल में ही उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी टीम की ओर से खेला था। पंड्या ने अब तक भारत की ओर से कुल 92 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 1348 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 71 का रहा है। वहीं गेंदबाजी करते हुए हार्दिक ने 92 मैचों की 82 पारियों में कुल 73 विकेट लिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

धोनी आईपीएल के बीच में ही छोड़ सकते हैं कप्तानी : रायडू

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के बीच में ही कप्तानी छोड़कर किसी अन्य खिलाड़ी को ये जिम्मेदारी दे सकते हैं। सीएसके के लिए पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले रायुडू का मानना है कि भविष्य को देखते हुए माही आईपीएल के दौरान किसी युवा को चेन्नई का कप्तान बना सकते हैं। पिछले सत्र में अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को सीएसके का कप्तान बनाया गया था पर लगातार असफल होने के कारण उन्होंने बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी। उसके बाद से ही ये जिम्मेदारी धोनी संभाल रहे हैं। उनकी कप्तानी में सीएसके को साल 2023 में पांचवीं बार खिताब मिला था। रायुडू ने कहा ,'इंपैक्ट प्लेयर नियम के जरिए धोनी बीच के ओवरों में किसी और को कप्तानी सौंप सकते हैं। यह साल सीएसके के लिए बदलाव वाला हो सकता है। अगर यह उनका आखिरी साल है , अगर वह कुछ साल और खेलते हैं तो वह कप्तान बने रहेंगे। जहां तक मेरी बात है, मैं चाहूंगा कि वही कप्तान रहें।' धोनी ने हाल ही में फेसबुक पोस्ट में संकेत दिया था कि इस साल आईपीएल में वह नई भूमिका में होंगे। वहीं रायुडू इस सत्र में कमेंटेटर के तौर पर नजर आयेंगे। रायडू ने पिछले साल खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया था।

अब समय बेकार नहीं कर पायेगी गेंदबाजी टीम , स्टॉप क्लॉक नियम होगा लागू

आईसीएकदिवसीय ने दी मंजूरी

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने समय की बर्बादी को रोकने के लिए एकदिवसीय और टी20 में स्टॉप क्लॉक नियम को लाने का फैसला किया है। आईसीसी ने कहा है कि परीक्षण अवधि में सफल होने पर स्टॉप क्लॉक नियम को स्थायी रूप से लागू किया जाएगा। इस नियम को इसलिए लगाया गया है जिससे कि बीच में होने वाली समय की बर्बादी को रोका जा सके। ये नियम शुरू में दिसंबर 2023 में ट्रॉयल के आधार पर पेश किया गया था। इसे अब टी20 अंतराष्ट्रीय और एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय सहित सभी सफेद गेंद वाले क्रिकेट में लागू करने की सहमति आईसीसी ने दे दी है। स्टॉप क्लॉक नियम के अनुसार फील्डिंग टीम को एक ओवर समाप्त होने के बाद अगला ओवर 60 सेकेंड करीब एक मिनट के अंदर शुरू करना होता है। ओवर समाप्त होते ही स्टॉप वॉच ऑन हो जाएगी और फिर 60 सेकेंड के अंदर टीम को दूसरा ओदवर शुरू करना होगा। वहीं अगर गेंदबाजी करने वाली टीम ऐसा नहीं कर पाती है तो उन पर पेनल्टी लगती है। इस गलती के कारण फील्डिंग टीमों पर पांच रनों तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इससे पहले उन्हें दो बार चेतावनी भी मिलती है। सभी आईसीसी सफेद गेंद प्रारुप के लिए नियम को लागू किया जाएगा।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में रोड्स के नाम हैं सबसे अधिक चार हजार विकेट

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर विल्फ्रेड रोड्स का नाम भले भी क्रिकेट जगत में लोकप्रिय नहीं है पर इस क्रिकेटर के नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट हैं। रोड्स ने अपने 32 साल के फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर में 4000 से ज्यादा विकेट लिए हैं। वह इस फॉर्मेट में एकमात्र ऐसे गेंदबाज रहे जिन्होंने चार हजार विकेट लिए हैं। 1898 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट की शुरुआत करने वाले विल्फ्रेड रोड्स ने 1930 तक खेला। उन्होंने 1110 प्रथम श्रेणी मैचों में सबसे अधिक 4204 विकेट लिए। जिसमें एक पारी में 287 बार 5 विकेट भी शामिल हैं जबकि मैच में उन्होंने 68 बार 10 विकेट लिए हैं। विल्फ्रेड ने इस दौरान 185742 गेंदें फेंकी जिसमें उन्होंने 70322 रन दिए। प्रथमश्रेणी क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इंग्लैंड के लेग ब्रेक गेंदबाज अल्फ्रेड पर्सी फ्रीमैन दूसरे नंबर पर हैं. अल्फ्रेड पर्सी फ्रीमैन ने 592 फर्स्ट क्लास मैचों में कुल 3776 विकेट लिए हैं। जिसमें 386 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए वहीं 140 बार मैच में उन्होंने 10 विकेट लिए। फ्रीमैन ने इस दौरान 154658 गेंदें डाली जिसमें 69577 रन दिये। पारी में 53 रन देकर 10 विकेट उनकी बेस्ट गेंदबाजी रही। इस गेंदबाज ने 1914 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था. जबकि 1936 में वह अंतिम बार उतरे। इस सूची में तीसरे नंबर पर भी इंग्लैंड के ही स्पिनर चार्ली पार्कर 635 मैचों में 3278 विकेट लिए हैं जबकि इंग्लैंड के पूर्व मीडियम पेसर जॉन हर्नी ने 639 मैचों में कुल 3061 विकेट लिए।

आईपीएल की स्ट्रीमिंग मुफ्त में देखें

मुम्बई । 22 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले देश के 10 अलग अलग शहरों में होंगे। इस टी20 लीग मैचों की स्ट्रीमिंग मुफ्त में देखी जा सकेगी। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग के लिए आपको मुफ्त में एक ऐप को डाउनलोड करना होगा। आईपीएल में इस बार 74 मैच खेले जाएंगे। इस बार लीग का आयोजन 67 दिनों तक चलेगा। वहीं पिछली बार आईपीएल का आयोजन 60 दिनों का था। वहीं साल 2019 में भी इसी तरह से दो चरणों में आईपीएल के मैच हुए थे। उस समय भी देश में आम चुनाव के कारण आईपीएल के कार्यक्रम अलग-अलग भाग में हुए थे। इस बार दोपहर के मुकाबले 3:30 बजे से जबकि शाम के मुकाबले 7:30 बजे से खेले जाएंगे। आईपीएल 2024 का पहला मैच मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेला जाएगा। आईपीएल 2024 मुकाबलों की टीवी पर लाइव टेलीकास्ट स्टार स्पोर्ट्स पर देख सकते हैं। आईपीएल 2024 मुकाबलों की मोबाइल पर फ्री में ऑनलाइन लाइव स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा एप पर देखी जा सकेगी। इस बार कुल दस टीमें भाग ले रही हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीमें पहले मैच में रात 8:00 बजे से चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आमने-सामने होंगी।

एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंट्स ने तीन क्रांतिकारी डेयरी सोल्यूशन्स लॉन्च किए

-अहमदाबाद स्थित कंपनी ने भारत का पहला एफटीआईआर-आधारित दूध विश्लेषक, गैस क्रोमैटोग्राफी मशीन और सोमैटिक सेल विश्लेषक लॉन्च किया -

अहमदाबाद ।

डेयरी और खाद्य परीक्षण सोल्यूशन्स में इनोवेशन के लिए विख्यात कंपनी एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंट्स ने तीन क्रांतिकारी उत्पाद लॉन्च किए हैं। लॉन्च किए गए उत्पादों में भारत में पहला FTIR-आधारित YAMA दूध विश्लेषक भी शामिल है। YAMA मिल्क एनालाइजर भारत में डिजाइन किया गया पहला फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (FTIR) एनालाइजर है, जो कच्चे दूध की संरचना का तेजी से और सटीक विश्लेषण प्रदान करता है। यह उपकरण दूध में वसा, एसएनएफ और प्रोटीन सामग्री निर्धारित करने और केवल 30 सेकंड के भीतर सामान्य मिलावट का पता लगाने में सक्षम है। इस विश्लेषक की विशेषताओं के कारण यह ग्रामीण स्तर के दूध भंडारण और थोक दूध शीत केंद्रों में क्रांति ला देगा। इस उत्पाद को बाजार में लाने से इसका आयात भी कम करना होगा क्योंकि फिलहाल इसका ज्यादातर आयात किया जाता है। एक अन्य प्रमुख उत्पाद मिल्क फैट फैटी एसिड और ट्राइग्लिसराइड्स (एवरेस्ट जीसी4500) के लिए गैस क्रोमैटोग्राफी है, जो दूध, दूध उत्पादों और घी की गुणवत्ता को मापने के लिए महत्वपूर्ण फैटी एसिड और ट्राइग्लिसराइड्स दोनों का विश्लेषण करती है।

इससे मशीनों, सहायक उपकरण, इंस्टॉलेशन और स्पेयर की लागत कम हो जाएगी। इन उत्पादों को हाल ही में हैदराबाद में 50वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष मिनेश शाह द्वारा लॉन्च किया गया था। एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंट्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, अजीत पटेल ने कहा, हम दृढ़ता से मानते हैं कि इन नवाचारों में न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर डेयरी उद्योग में क्रांति लाने की क्षमता है।

सरकार ने तैयार की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति

- ईवी वाहन बनाने वाली कंप नियों के लिए आयात शुल्क 70 से घटाकर 15 प्रतिशत किया

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने आम चुनाव से ठीक पहले इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली वैश्विक कंपनियों के लिए द्वार खोल दिए हैं। सरकार ने एक नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की है, जिससे देश में इलेक्ट्रिक वाहनों का विनिर्माण जोर पकड़ेगा। इस नीति के तहत सरकार ने ऐसे वाहन बनाने वाली कंपनियों के लिए आयात शुल्क मौजूदा 70 प्रतिशत से घटाकार 15 प्रतिशत कर दिया है। नई नीति अमल में आने के बाद टेस्ला, विनफास्ट, बीवाईडी, किया, स्कोडा, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज-बेंज जैसी दुनिया की नामी कंपनियां भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को रफ्तार देंगी। ईलॉन मस्क की कंपनी टेस्ला ने सरकार से शुल्क में छूट की मांग की थी और नई नीति उसी का नतीजा दिख रही है।

नई नीति के तहत विदेश में पूरी तरह तैयार (सीबीयू) ई-कार भारत में आयात की जा सकती है। ऐसी कारों पर 15 प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा। फिलहाल 40,000 डॉलर से अधिक दाम वाली सीबीयू ई-कार पर 100 प्रतिशत और इससे कम कीमत वाली ई-कार पर 70 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अब जो नीति तैयार की है, उसके हिसाब से टेस्ला जैसी कंपनियों से सीबीयू ई-कार पर भी 15 प्रतिशत आयात शुल्क ही वसूला जाता है। टुकड़ों या पुर्जों की शक्ल में (सीकेडी) आने वाली कारों पर अभी इतना ही शुल्क लगता है। सीकेडी को देश में लाकर असेंबल किया जाता है। सरकार के आला अधिकारियों के साथ बैठकों में टेस्ला कर घटाने की मांग करती रही है। भारी उद्योग मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार कंपनियां स्वयं उत्पादन करती हैं तो उनके उत्पादों पर कम आयात शुल्क लगेगा।

लेकिन इन कंपनियों को देश में कम से कम 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। इस योजना में वे कंपनियां ही शामिल हो सकती हैं, जो तीन साल के भीतर अपने कारखाने लगाएंगी और पांचवें साल तक उनकी गाड़ियों में कम से कम 50 फीसदी स्थानीयकरण होना चाहिए यानी 50 फीसदी पुर्जे भारत से ही लिए होने चाहिए।

पेट्रोल और डीजल कई राज्यों में पांच रुपए तक मिल रहा सस्ता

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर 15 मार्च को मिली राहत के बाद देशभर में ईंधन के भाव स्थिर हैं। सरकार ने शुक्रवार से पेट्रोल और डीजल की कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर की कटौती कर दी है, वहीं कुछ राज्यों में वैट कम होने से पेट्रोल-डीजल 5 रुपये तक सस्ता मिल रहा है।

शनिवार के लिए तेल मार्केटिंग कंपनियों ने फिर ईंधन के नए भाव जारी कर दिए हैं। लखनऊ, पटना और चेन्नई समेत अन्य बड़े शहरों में ईंधन का भाव कम हुआ है। हालांकि आज कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल के भाव मामूली रूप से बढ़ भी गए हैं। गोवा, गुजरात, हिमाचल और केरल समेत कुछ राज्यों में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं, जबकि कुछ प्रदेशों में भाव स्थिर हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.80 रुपये और डीजल 87.85 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। पटना में पेट्रोल 105.48 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

एयर इंडिया ने 180 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया में भी हाल में 180 से अधिक नॉन-फ्लाइंग स्टाफ की छंटनी कर दी है। कंपनी ने बताया है कि जिन लोगों की नौकरी गई है वो वॉलंटरी रिटायरमेंट स्कीम और नए सिरे से कौशल निखारने के मौकों का इस्तेमाल नहीं कर पाए थे।

एयर इंडिया में 18,500 से अधिक कर्मचारी हैं जबकि ग्रुप एयरलाइन, एयर इंडिया एक्सप्रेस में लगभग 6,200 कर्मचारी हैं। बता दें जब टाटा समूह ने एयरलाइन का अधिग्रहण किया था, तब दोनों एयरलाइनों में संविदा कर्मियों सहित कुल 12,085 कर्मचारी थे। इस मामले में एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम इस प्रक्रिया के दौरान सभी संविदात्मक दायित्वों का सम्मान कर रहे हैं।

कर्मचारियों को भेजे गए एक लेटर के अनुसार छंटनी किए गए कर्मचारियों को एयरलाइन के साथ सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए 15

दिनों के वेतन के बराबर मुआवजा पैकेज मिलेगा। एयरलाइन ने पहले दो बार स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजनाओं की पेशकश की थी जिसका 2,500 से अधिक कर्मचारियों ने लाभ उठाया था।

कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि फिटमेंट प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, गैर-उड़ान कार्यों में कर्मचारियों को संगठनात्मक आवश्यकताओं और व्यक्तिगत योग्यता के आधार पर भूमिकाएं सौंपी गई हैं।

नमो ड्रोन दीदी योजना शुरू, एसएचजी को खेती के लिए मिलेगा ड्रोन

नई दिल्ली ।

केन्द्र सरकार ने महिला किसानों यानी सेल्फ हेल्प ग्रुप (एसएचजी) के लिए नमो ड्रोन दीदी योजना शुरू की है। इसके तहत एसएचजी को ड्रोन दिया जाएगा। जिसका इस्तेमाल वो खेती में कर सकेंगी, जो आय बढ़ाने में सहायक होगा। मौजूदा समय में देशभर में करीब 10 करोड़ महिलाएं एसएचजी का हिस्सा हैं। इस योजना के तहत देशभर के 14500 महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप (एसएचजी) को ड्रोन दिया जाएगा। खास बात यह है कि इसमें मोदी सरकार 80 फीसदी सब्सिडी देगी। बचे हुए बीच 20 फीसदी पर लोन दिया जाएगा। इस लोन में भी एक और फायदा है। ब्याज में 3 फीसदी की छूट अलग से दी जाएगी। कृषि मंत्रालय के अनुसार एक ड्रोन पैकेज की संभावित कीमत 10 लाख रुपये के करीब होगी और 10 लाख के ड्रोन में एसएचजी को आठ लाख की सब्सिडी मिलेगी। उसे केवल दो लाख चुकाना होगा और दो लाख का रुपये का लोन किया जाएगा। ड्रोन उड़ाने वाली महिला को ड्रोन पायलट को डेटा विश्लेषण और ड्रोन के रखरखाव के लिए एक और महिला को को-पायलट की ट्रेनिंग दी जाएगी। यह 15 दिन की ट्रेनिंग इसी पैकेज में शामिल होगी। इस योजना

के तहत ड्रोन का इस्तेमाल नैनो फर्टिलाइजर और कीटनाशक के छिड़काव में इस्तेमाल किया जाएगा। इस योजना को लागू करने में देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की मदद ली जाएगी।

तांबे की कीमत 11 महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई । चीनी स्मेल्टरों द्वारा उत्पादन में कटौती पर सहमति के बाद तांबे की कीमत 11 महीने के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। लंदन मेटल एक्सचेंज पर तीन महीने का तांबा वायदा 1.5 फीसदी बढ़ गया और अप्रैल 2023 के बाद पहली बार 9,000 डॉलर प्रति टन के स्तर को पार कर गया। न्यूयॉर्क के कॉमेक्स बाजार में मई में डिलीवरी वाले तांबे की कीमत बढ़कर 4.06 डॉलर प्रति पाउंड (8,932 प्रति टन) पर पहुंच गईं। शंघाई वायदा एक्सचेंज में तांबा दो साल के उच्चतम स्तर 70,460 युआन प्रति टन पर पहुंच गया। गौरतलब है कि हाल ही में चीनी तांबा स्मेल्टरों द्वारा कीमतें बढ़ाने के प्रयास में कटौती करने पर समझौता हुआ। विश्लेषकों का कहना है कि अभी तांबें की कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है, ये जून 2024 तक 9,500 डॉलर प्रति पर जा सकती है।

बायजू की 53 करोड़ डॉलर से ज्यादा की रकम फ्रीज

नई दिल्ली । अमेरिकी कोर्ट ने एडटेक कंपनी बायजू की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न कंपनी के 53.3 करोड़ डॉलर फ्रीज कर दिए हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि यह पैसा कहीं उपयोग नहीं किया जा सकता। इस फैसले को कंपनी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे कर्जदाताओं की जीत माना जा रहा है। उनकी मांग थी कि इस पैसे का उपयोग सिर्फ उन्हें भुगतान करने के लिए किया जाना चाहिए। थिंक एंड लर्न ने कानूनी विवादों में फंसने के बाद इस 53.3 करोड़ डॉलर को कथित तौर पर मॉर्टन हेज फंड में ट्रांसफर कर दिया था। इसके बाद इसे एक अनाम ऑफ शोर ट्रस्ट में भेज दिया दिया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक कर्जदाताओं ने मांग की थी कि टेक फर्म द्वारा इस पैसे के उपयोग को रोकने के लिए इसे कोर्ट में जमा करवा दिया जाए। कोर्ट ने बायजू के फाउंडर बायजू रविंद्रन के भाई और कंपनी के डायरेक्टर रिजू रविंद्रन को निशाना बनाते हुए कहा कि आप बताइए पैसा कहां है। जज ने कहा, मैं उनका विश्वास नहीं कर पा रहा हूं कि उन्हें पैसे की लोकेशन पता नहीं है। थिंक एंड लर्न उन्हें यह जानकारी क्यों नहीं दे रही कि पैसा कहां है। रवींद्रन के वकील ने तर्क दिया कि थिंक एंड लर्न में चल रहे संकट के लिए कर्जदाता ही जिम्मेदार हैं। यही लोग हमारे ऊपर लोन डिफॉल्ट का जरूरत से ज्यादा दबाव बना रहे थे। कंपनी डेलवेयर और न्यूयॉर्क की अदालतों में कर्जदाताओं से केस लड़ रही है।

वर्ष 2030 तक रियल एस्टेट बाजार एक लाख करोड़ डॉलर का होगा: पुरी

नई दिल्ली । केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ डॉलर के अनुमानित बाजार के साथ परिपक्व और विकसित रियल एस्टेट क्षेत्र होना चा हिए। रियल्टी कंपनियों के संगठन क्रेडाई की युवा शाखा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पुरी ने कहा कि रियल एस्टेट नियामक कानून रेरा का लागू होना पूरे क्षेत्र के लिए एक परिवर्तनकारी घटनाक्रम रहा है। पुरी ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत को आवासीय और वाणिज्यिक दोनों क्षेत्रों में अत्यधिक परिपक्व और विकसित रियल एस्टेट क्षेत्र की भी जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि डेटा सेंटर और वेयरहाउसिंग सहित वाणिज्यिक रियल एस्टेट में निवेश आ रहा है। इसके अलावा रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट्स) की शुरुआत से भी रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने में मदद मिली है। पुरी ने कहा कि रेरा एक परिवर्तनकारी घटना थी। अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक के पास लगभग 70 वर्षों तक कोई नियामक नहीं होना आश्चर्यजनक था। उन्होंने कहा कि देश भर में 1,22,553 रियल एस्टेट परियोजनाएं और 86,262 रियल एस्टेट एजेंट इस नियामक के साथ पंजीकृत हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की गिरावट रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और विदेशी निवेशकों की लिवाली के दबाव में बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार को गिरावट और मंगलवार को हल्की बढ़त पर कारोबार हुआ। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो अमेरिका में मुद्रास्फीति आंकड़े आने से पहले एशियाई प्रतिस्पर्धियों की सुस्त शुरुआत के बाद, भारतीय इक्विटी सूचकांक भी सोमवार को मामूली गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 95 अंक की गिरावट के साथ 74,024 पर खुला और 617 अंकों की गिरावट के साथ 73,502 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी50 14 अंक की गिरावट के साथ 22,479 पर खुला और 161 अंक फिसलकर 22,332 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई है। सेंसेक्स मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 332.79 अंकों की बढ़त के साथ 73,831.88 के स्तर पर खुला और 165.32 अंकों की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी 61.25 अंक मजबूत होकर 22,393.90 पर खुला और 3.05 अंक चढ़कर 22,335.70 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 182.11 अंकों की बढ़त के साथ 73,877.85 के स्तर पर खुला और 906.07 अंकों की गिरावट के साथ 72,761.89 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 40.10 अंक मजबूत होकर 22,375 पर खुला और 338.00 अंक फिसलकर

21,997.70 पर बंद हुआ। पिछले सत्र में मुनाफावसूली के बाद गुरुवार को भारतीय इक्विटी सूचकांक लगातार दूसरे कारोबारी सत्र लाल निशान में खुले। बीएसई सेंसेक्स 252 अंक की गिरावट के साथ 72,509 पर खुला और 335.39 अंकों की बढ़त के साथ 73,097.28 पर बंद हुआ। निफ्टी 68 अंक की गिरावट के साथ 21,930 पर खुला और 148.96 अंकों की बढ़त के साथ 22,146.65 पर बंद हुआ। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 416 अंकों की गिरावट के साथ 72,681 खुला और 453.85 (0.62 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 72,643.43 पर बंद हुआ। निफ्टी 136 अंकों की गिरावट के साथ 22,010 पर खुला और 123.31 (0.56 फीसदी) अंक टूटकर 22,023.35 के स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ।

जी एंटरटेनमेंट के अध्यक्ष नितिन मित्तल का इस्तीफा

नई दिल्ली । जी एंटरटेनमेंट के अध्यक्ष और समूह के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीओओ) नितिन मित्तल ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि निदेशक मंडल ने मित्तल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है, जो पिछले दो साल से इस पद पर कार्यरत थे। जी एंटरटेनमेंट ने एक बयान में कहा कि कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ पुनीत गोयनका द्वारा किये जाने वाले प्रौद्योगिकी और डेटा क्षेत्र में रणनीतिक बदलावों के बीच यह घोषणा की गई है। मित्तल ने कंपनी के कार्यक्षेत्र को सुव्यवस्थित करने की कवायद के बीच इस्तीफा दिया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.47 अरब डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार आठ मार्च को समाप्त सप्ताह में 10.47 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 636.095 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली। इससे एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.55 अरब डॉलर बढ़कर 625.626 अरब डॉलर हो गया था। अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन वैश्विक गतिविधियों के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपए की गिरावट को थामने के लिए पूंजी भंडार का उपयोग किया, जिससे मुद्रा भंडार प्रभावित हुआ था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक आठ मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियां 8.121 अरब डॉलर बढ़कर 562.352 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लिखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 2.299 अरब डॉलर बढ़कर 50.716 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार

(एसडीआर) 3.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.211 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा भी 1.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.817 अरब डॉलर हो गई।

एआई से वित्तीय संस्थानों की साइबर सुरक्षा चुनौतियां बढ़ीं: दास

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से साइबर सुरक्षा चुनौतियां कई गुना बढ़ सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने वित्तीय संस्थानों से ग्राहक जानकारी की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम करने के लिए कहा। दास ने हाल ही में यहां आरबीआई लोकपाल के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि विनियमित संस्थाएं वित्तीय लेनदेन, ग्राहक संपर्क और परिचालन गतिविधियों से जुड़े आंकड़ें अपने पास रखती हैं। उन्होंने कहा कि आंकड़ों के इस व्यापक भंडार में डेटा विश्लेषण के जरिए ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने का एक अनूठा अवसर निहित है। दास ने कहा कि डेटा विश्लेषण की ताकत का उपयोग करके विनियमित संस्थाएं ग्राहकों की जरूरतों का अच्छी तरह से अनुमान लगा सकती हैं, मुद्दों का तुरंत समाधान कर सकती हैं और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी वाले लेनदेन बढ़ने के साथ निगरानी प्रणालियों को मजबूत करने और संभावित धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। दास ने कहा कि एआई के आने के साथ साइबर सुरक्षा संबंधी चुनौतियां कई गुना बढ़ सकती हैं।

हरियाणा कौशल रोजगार निगम ने उम्मीदवारों को किया शॉर्ट-लिस्ट

- 7000 से अधिक उम्मीदवारों को एक क्लिक से जॉब ऑफर लेटर भेजे

चंडीगढ़ । मुख्यमंत्री नायब सिंह ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के तहत विभिन्न पदों के लिए प्राप्त आवेदनों को शॉर्ट लिस्ट करते हुए 7000 से अधिक उम्मीदवारों को एक क्लिक से जॉब ऑफर लेटर एसएमएस के माध्यम से भेजे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं कि एचकेआरएन में विभिन प्रकार के लालच देकर लोगों का काम हो रहा है, यह सरासर गलत है। मुख्यमंत्री ने साथ ही आम लोगों से यह भी आग्रह किया कि एचकेआरएनएल में किसी भी कार्य के लिए किसी भी तरह के प्रलोभन में ना आएं, क्योंकि निगम के तहत पूरी ईमानदारी व पारदर्शी तरीके से सुव्यवस्थित प्रक्रिया को अपनाकर ही युवाओं को अनुबंध आधार पर रोजगार के अवसर दिये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिन उम्मीदवारों को शॉर्ट लिस्ट किया गया, उनमें लेवल-1 से लेवल-3 तक के पद शामिल हैं। इन पदों में विभिन्न अध्यापकों के 4216, चपरासियो के 650, सफाई कर्मचारियों के 787, चौकीदार के 466, पटवारियों के 226, ड्राइवरों के 52, शिफ्ट अटेंडेंट के 50, स्टाफ नर्स के 14, लीगल असिस्टेंट के 22, सहायक लाइनमैन के 24 पद सहित अन्य विभिन्न पद शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in